

Discover your divinity with us

A/C Showroom

ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र

उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग

0788-4030383, 3293199

भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरतन उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय



रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

दर्शन

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य

माँ दुर्गा उपासक माँ गणगुप्ती, माँ कामया, माँ भद्रकाली, माँ रावती की असीम कृपा साधना द्वारा सफल समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु

पं. एम.पी. शर्मा / मो. 8109922001 फीस 251/- मात्र

पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 06, अंक 154 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

रायपुर, रविवार 07 जुलाई 2024

www.samaydarshan.in

पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

शिक्षा का मूल उद्देश्य सर्वे भवंतु सुखिनः के ध्येय वाक्य के साथ एक दूसरे की मदद करना – सीएम साय

विद्यार्थियों को मिले स्वर्ण पदक एवं उपाधियां आपकी उपलब्धियां, कठिन परिश्रम, समर्पण, शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण : राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन

रायपुर (समय दर्शन)। राज्यपाल श्री विश्व भूषण हरिचंदन एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में विभिन्न सत्रों की परीक्षाओं में छात्रों को स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, पात्रोपधि के लिए उपाधि एवं स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इस मौके पर

श्री राम प्रताप सिंह एवं सुश्री सुरभा देश पांडे को विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि दी गई। समारोह में कुलाधिपति द्वारा पीएचडी छात्रों को उपाधि प्रदान की गई एवं इस उपाधि के आचार एवं गौरव की रक्षा करने के संदेश दिए गए। अतिथियों ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को अग्रिम भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल विष्णु भूषण हरिचंदन ने समारोह में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि मुझे छठवें दीक्षांत समारोह में शामिल होते हुए बेहद खुशी हो रही है। उन्होंने मार्गदर्शन में आपने ये महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

राज्यपाल श्री हरिचंदन ने कहा कि आपकी महत्वपूर्ण उपलब्धियां आपके



परिवारजनों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनके सहयोग त्याग एवं मार्गदर्शन में आपने ये महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

राज्यपाल श्री हरिचंदन ने कहा कि आपकी महत्वपूर्ण उपलब्धियां आपके

कठिन परिश्रम, समर्पण, आपकी शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण है। उन्होंने मार्गदर्शन में आपने ये महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

राज्यपाल श्री हरिचंदन ने कहा कि आपकी महत्वपूर्ण उपलब्धियां आपके

सामाजिक प्रगति लाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह विश्वविद्यालय पंडित सुंदरलाल शर्मा जी के सपनों को गढ़ने एवं साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने उच्च शिक्षण गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय को नैक द्वारा 'ए' प्लस ग्रेड दिए जाने के लिए भी बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि, मुझे खुशी है कि यह विश्वविद्यालय अपने ध्येय वाक्य “उच्च शिक्षा आपके द्वार” के अनुरूप अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, शिक्षा का मूल उद्देश्य सर्वे भवंतु सुखिनः के ध्येय वाक्य के साथ एक दूसरे की मदद करना है। हमारे राज्य में

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू किए जाने से युवाओं में तार्किक क्षमता के संवर्धन के साथ ही उनका सर्वांगीण विकास होगा। इस विश्वविद्यालय को यूजीसी के 235 विश्वविद्यालय की उस सूची में शामिल किया गया है जो संयुक्त अथवा दोहरी डिग्री दे सकता है। अब यह विश्वविद्यालय विदेशी विश्वविद्यालय के साथ मिलकर संयुक्त डिग्री के लिए कार्यक्रम शुरू कर सकता है यह खुशी की बात है कि हमारे छत्तीसगढ़ के विद्यार्थी विदेशी विश्वविद्यालय से जुड़ सकेंगे। विश्वविद्यालय परिवार की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मेरा सुझाव है कि विश्व के लोगों का छत्तीसगढ़ की भाषा और संस्कृति से परिचय कराया जाए।

लगातार सातवीं बार 23 को बजट पेश कर रिकॉर्ड बनाएंगीं निर्मला सीतारमण

पूर्व पीएम से भी निकल जाएंगी आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र की तारीखों का एलान हो चुका है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 अगस्त को लोकसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट पेश करेंगी। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट कर बजट सत्र की तिथियों का एलान किया है। उन्होंने बताया कि आगामी बजट

सत्र का शुभारंभ 22 जुलाई को होगा। यह 12 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में पूर्ण बजट पेश करेंगी। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव से पहले 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था। वित्त मंत्री सीतारमण 23 जुलाई को लगातार सातवां बजट पेश करके वित्त मंत्री सातवां बजट पेश करेंगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। यह

बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता व विकसित भारत की दिशा तय करेगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने 1 फरवरी 2024 को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश किया था। 23 जुलाई को सीतारमण लगातार सातवां बजट पेश करके वित्त मंत्री सीतारमण एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने वित्त मंत्री रहते हुए लगातार छह बार बजट पेश किया था। निर्मला

सीतारमण ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए पिछले महीने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला। सीतारमण के नाम मोदी सरकार में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए मंत्री के रूप में शामिल होने वाली पहली महिला बनने का रिकॉर्ड भी है। अपने राजनीतिक करियर में उन्होंने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। 2017 में पहली महिला रक्षा मंत्री बनीं। इससे पहले वह उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री थीं।

तीसरा आज होगा पेश

मुख्य आरोपी मधुकर और एक अन्य को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

हाथरस (एजेंसी)। हाथरस हादसे में इनामी मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर और अन्य गिरफ्तार आरोपी संजू यादव को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। तीसरे गिरफ्तार आरोपी को बाद में पेश किया जाएगा। हाथरस हादसे में गिरफ्तार मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर और अन्य आरोपी संजू यादव का जिला अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जय हिंद कुमार सिंह के न्यायालय में देव प्रकाश मधुकर व संजू यादव को पेश किया गया। कोर्ट ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। तीसरे गिरफ्तार आरोपी राम प्रकाश शाक्य को कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका, उसे कल 7 जुलाई को पेश किया जाएगा।

5 जुलाई की देर शाम दिल्ली से गिरफ्तार करने



के बाद हाथरस हादसे के मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर से पुलिस ने पूछताछ की। आज उसे पुलिस मेडिकल परीक्षण के लिए बागला जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंची। मधुकर के मेडिकल परीक्षण के दौरान जिला अस्पताल में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इससे पहले 2:00 बजे पुलिस मधुकर को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची थी, लेकिन मीडिया का भारी जमावड़ा होने के चलते कागजी कार्रवाई पूरा करने के बाद पुलिस उसे अपने साथ ले गई।

घूसखोर महिला इंस्पेक्टर को भेजा गया जेल:रायपुर में एसीबी ने 20 हजार रुपए लेते पकड़ा था

रायपुर (समय दर्शन)। घूस लेते पकड़ी गई रायपुर के महिला थाने की इंस्पेक्टर वेदवती दरियो को ईसीबी/ईओडब्ल्यू की विशेष कोर्ट ने शनिवार को 19 जुलाई तक जेल भेज दिया है। वेदवती को एसीबी ने शुक्रवार शाम 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद रात करीब 8 बजे से 1 बजे तक उससे पूछताछ जाती रही। दरअसल, महिला थाने में लोधीपारा की रहने वाली एक महिला आई। पति से तंग आकर महिला ने थाने की प्रभारी वेदवती से कार्रवाई करने और एफआईआर दर्ज करने को कहा। आरोप है कि, महिला इंस्पेक्टर ने 50 हजार रुपए की डिमांड कर दी। मित्रों करने के बाद वो 35 हजार में केस दर्ज करने को राजी हुई थी। इसके बाद शिकायतकर्ता महिला ने एसीबी दफ्तर जाकर सारी बात अधिकारियों को बता दी। करीब एक हफ्ते पहले एंटी करप्शन में ये शिकायत पहुंची। शुक्रवार सुबह महिला वापस थाने पहुंची लेकिन थाने में भीड़ ज्यादा होने के कारण टीआई दरियो ने उन्हें वापस लौटा दिया। एसीबी को टीम लगातार पीड़िता के साथ मौजूद थी।

अखरा के भगवान जगन्नाथ मंदिर मनवा कुर्मी समाज की धरोहर

धर्मनगरी अखरा के भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर लगभग 150 वर्ष पुराना

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज पाटन राज का हृदय स्थल है,ऐसा कहा जाता है कि छत्तीसगढ़ में 36 गढ़ थे, उसमें से एक गढ़ था पाटन अब गढ़ों का शासन नही रहा। पंचायती राजव्यवस्था के अनुसार अब पाटन वर्तमान में नगर पंचायत बन गया है, जो कि अखरा अब वार्ड क्रमांक 05 के अंतर्गत आता है। पाटन एक ऐतिहासिक नगर है आज यत्र तत्र, भग्नावशान, राजचिन्ह, ताल तलैया, भौगोलिक परिदृश्य तथा देवालय उसके प्रमाण है। धर्मनगरी अखरा के भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर लगभग 150 वर्ष पुराना है। मंदिर का निर्माण एवं उसके मूर्ति का स्थापना मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज पाटन राज के सम्माननीय, परमार्थी, आस्थावान,विभूतियों के द्वारा की गई थी। दानवीर पूर्वजो के द्वारा पूजा के लिए पुजारी उनके लिए आवास विस्तृत परिसर तथा आय स्रोत स्वरूप 20.44 डिसमिल कृषिभूमि



भगवान जगन्नाथ के नाम अर्पित (दान) किये गये थे। वर्षों तक सुब्यवस्था बनी रही, पूजा पाठ दर्शन प्रसाद एवं कार्यक्रमो के कारण मंदिर आकर्षण का केन्द्र बन गया। प्रास अभिलेखों का विस्तृत अध्ययन करने से पता चला कि स्वतंत्रता संग्राम की अहम भूमिका निभाने में ग्राम-अखरा एवं कुर्मी समाज संगठित विकसित होकर कुर्मी को पहचान बनाने में भी अग्रणी रहे हैं। अखरा में रावण की 132 वर्ष पुरानी भव्य प्रतिमा थी,जिसको अभी 2022 में नवीनीकरण किया गया है। यहाँ का दशहरा उत्सव अंनल में वर्षों से प्रसिद्ध है,अखरा का यह स्थल

सुरम्य सुविधा सम्पन्न था। अतः उक्त सुरम्य स्थान पर स्वामी भगवान जगन्नाथ जी की मंदिर, जिसका प्रथम संस्थापकों में स्व.दाऊ रामचंद कश्यप अखरा तथा नंदराम बछिहा ग्राम-डिंडगा का नाम आदर से लिया जाता है। वे तत्कालीन मनवा कुर्मी समाज पाटन राज के संगठन संचलन में अग्रिम भूमिका निभाने वाले व्यक्ति रहे है। मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज की बैठक सन 1913 में इसी ग्राम-अखरा के आम बगीचे में हुई थी। उस समय रायपुर, दुर्ग और लवन तीन राज की सामूहिक बैठकें होती थी। उस समय तीनों राज के कोषाध्यक्ष दाऊ रामचंद कश्यप थे। उसके पश्चात कार्यालय पंजीयन लोक न्यास दुर्ग (राजस्व प्रकरण)/ब/ 113/ 1986-87 दुर्ग दिनांक 19.04.1988 लोक न्यास रजिस्टर पंजीयन क्रमांक 1/पाटन/88-89 दिनांक- 11.01.1990 के अनुसार मान्यता प्राप्त पंजीकृत ट्रस्ट है एवं इस ट्रस्ट के संरक्षक कलेक्टर दुर्ग है,और मुख्य

न्यासी अमरचंद वर्मा सहित इक्कीस ट्रस्टी है तथा मनवा कुर्मी समाज पाटन राज के राजप्रधान ट्रस्ट के पदेन सदस्य होते है। ट्रस्ट बनने के बाद सबसे पहले अमरचंद वर्मा फुंछा(मुख्य न्यासी), मोहन लाल वर्मा अखरा (उपाध्यक्ष), दुष्यंत कश्यप डगनिया (कोषाध्यक्ष), कुलेश्वर वर्मा मरा(सचिव), द्वारिका प्रसाद कश्यप अखरा (सहसचिव),के अतिरिक्त शेष सदस्य चुने गए और पाटन राजप्रधान को इसके पदेन सदस्य रखा गया। इसी क्रम में पाटन राज के प्रथम राजप्रधान स्व. श्री केशव राम वर्मा जी, ग्राम-रवेली के मार्गदर्शन में तत्कालीन राजप्रधान अमरचंद वर्मा के द्वारा अब वर्तमान में (मुख्य न्यासी) की अध्यक्षता में मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार की कार्य योजना बनाई गई और दिनांक-10 फरवरी 1998 को योजना के अनुसार मंदिर निर्माण की भूमिपूजन का कार्यक्रम रखा गया।

शेष पेज 6 पर

विष्णु के सुशासन से सँवर रहा छत्तीसगढ़

महाप्रभु श्री जगन्नाथ रथ यात्रा की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

-श्री विष्णु देव साय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी माननीय प्रधानमंत्री

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : [f ChhattisgarhCMO](#) [X ChhattisgarhCMO](#) [C ChhattisgarhCMO](#) [ChhattisgarhCMO](#) [fPRChhattisgarh](#) [DPRChhattisgarh](#) [www.dprcg.gov.in](#)

श्री जगन्नाथ रथ यात्रा की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री विष्णु देव साय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी माननीय प्रधानमंत्री

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : [f ChhattisgarhCMO](#) [X ChhattisgarhCMO](#) [C ChhattisgarhCMO](#) [ChhattisgarhCMO](#) [fPRChhattisgarh](#) [DPRChhattisgarh](#) [www.dprcg.gov.in](#)

संक्षिप्त समाचार

बंसुला स्कूल में आयोजित हुआ
पुरस्कार वितरण समारोह



बसना (समय दर्शन)। प्राथमिक शाला बंसुला में पिछले सत्र वार्षिक परीक्षा में कक्षा में उच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रेरित करने पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पूर्व प्रधान पाठक रमेश चंद्र शर्मा तथा भारत साव उपस्थित थे। सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत अनिता साहू, सीता साहू, पुष्पांजली मैडम के द्वारा तिलक लगाकर किया गया। इस अवसर पर कक्षा पहली से पांचवीं तक प्रथम, द्वितीय, तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। जिसमें प्रथम स्थान देविका साव, चैत्यन सागर, उर्मि साहू, भावना साव, सूरज चौहान, द्वितीय स्थान निशा साव, नेहासाव, दीपांजली साव, रेणुका साव, शीतांशु सागर, तृतीय स्थान जोया बरिहा, शौम्य दीप, ममता साव, श्रद्धा, शौर्य, लिलंदी साव, शाक्षी साव, को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कक्षा पांचवीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र सूरज कुमार चौहान को शर्मा सर द्वारा 1100 का नगद राशि प्रदान किया गया तथा वर्ष भर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सैमुअल कुमार को शिल्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। तथा सबसे अधिक उपस्थिति हेतु लाम्दली नाग को भी सम्मानित किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन अनिता साहू शिक्षिका के द्वारा किया गया, तथा कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधान पाठक प्रवीर कुमार बेहेरा ने किया।

जनपद सदस्य अंशु रजक बने
पूर्व मुख्यमंत्री पाटन विधायक
भूपेश बघेल के प्रतिनिधि



पाटन (समय दर्शन)। पूर्व मुख्यमंत्री और पाटन विधायक भूपेश बघेल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झीट के लिए जनपद सदस्य तुलसी अंशु रजक को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। अंशु रजक विधायक प्रतिनिधिन के रूप में अस्पताल में आयोजित कार्यक्रमों, बैठकों में उपस्थित हो सकते हैं।

मदिरा दुकानों के लिए किराये
की भवन हेतु निविदा आमंत्रित

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले की विदेशी मदिरा दुकानों के लिए भवन किराये पर लिये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की गई है। मदिरा दुकानों की जानकारी एवं निविदा शर्तें/फॉर्म कार्यालय सहायक आयुक्त आबकारी (उप महाप्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड दुर्ग) से 18 जुलाई 2024 तक समस्त कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त की जा सकती है। निविदा 18 जुलाई 2024 को सायं 3 बजे तक कार्यालय में जमा किया जा सकेगा। उक्त निविदा 18 जुलाई 2024 को सायं 4 बजे खोली जाएगी।

कलेक्टर-एसपी ने ली नक्सल
पीड़ित पुनर्वास समिति की बैठक

कांकर। कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर की अध्यक्षता में आज जिला स्तरीय नक्सल पीड़ित पुनर्वास समिति की बैठक जिला कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक श्री ईंदिरा कल्याण एलेसेला के साथ नक्सल पीड़ितों से चर्चा कर उनकी विभिन्न मांग एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली और नियमानुसार निराकरण करने का आश्वासन दिया। बैठक में जिले में नक्सल पीड़ितों के पुनर्वास हेतु लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विस्तृत चर्चा हुई। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज दोपहर को आयोजित बैठक में कलेक्टर एवं एसपी ने पीड़ितों से व्यक्तिगत तौर पर बारी-बारी से पूछा तथा कहा कि समिति द्वारा निराकरण के लिए लंबित मामलों पर शासन की पुनर्वास नीति के तहत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

07 जुलाई को प्रदेश स्तरीय पंचायत सचिव पदस्थापना दिवस एवं आशीर्वाद समारोह रायपुर में

परिवार सहित शामिल होंगे प्रदेश के समस्त
पंचायत सचिव - महेन्द्र साहू

पाटन (समय दर्शन)। प्रदेश पंचायत सचिव संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष एवं दुर्ग जिलाध्यक्ष महेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि 7 जुलाई 2024 रविवार को प्रदेश पंचायत सचिव पदस्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम रायपुर में रखा गया है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय डॉ रमन सिंह जी मान. विधानसभा अध्यक्ष छ ग, माननीय श्री विजय शर्मा जी उपमुख्यमंत्री, माननीय श्री अरुण साव जी उपमुख्यमंत्री, माननीय श्री ओ पी चौधरी जी



वित्तमंत्री, माननीय श्री विजय बघेल जी सांसद लोक सभा क्षेत्र दुर्ग सहित माननीय मंत्रीगण व माननीय विधायक गण भी शिरकत कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। 07 जुलाई को प्रदेश के सभी जिला, ब्लाक मुख्यालय में पंचायत सचिवों द्वारा स्थापना दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है। लेकिन इस वर्ष 7 जुलाई को पंचायत सचिव पदस्थापना दिवस की अवसर पर प्रदेश स्तरीय भव्य सम्मान समारोह बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम रायपुर में रखा गया है। सचिव दिवस पर सचिव संघ द्वारा जनहित कार्य किया जाता है लेकिन इस बार संयुक्त रूप से पूरे 10485 सचिव भव्य सम्मान समारोह इंडोर स्टेडियम रायपुर में सम्मिलित हो रहे हैं। सचिवों द्वारा जितना कार्य सेवा भावना के साथ किया

जाता है, उसके बदले शासन से सभी सुविधाएं नहीं मिल पाती, जिसके वे वास्तव में हकदार हैं। पंचायत सचिव का एक सूत्री लंबित मांग दो वर्ष परीक्षाअवधि पश्चात शासकीयकरण है। प्रदेश पंचायत सचिव संघ छ ग प्रदेश महामंत्री यशवन्त आडिल एवं शेषनारायण चन्द्रवैशी जिला सचिव ने बताया कि सर्वप्रथम 07 जुलाई 2007 को मुख्यअतिथि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह जी प्रदेश पंचायत सचिव संगठन का सम्मेलन जांजगीर चांपा में उपस्थित होकर पंचायत कर्मों से ग्राम पंचायत सचिव वेतनमान पे ग्रेड का निर्धारण हेतु घोषणा किया गया। इससे पहले पंचायत कर्मों हुआ करते थे। तब से लेकर आज तक पंचायत सचिव प्रतिवर्ष 7 जुलाई को सचिव दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं।

बीएसपी में सुरक्षा जागरूकता हेतु चौथे लार्ज ग्रुप इंटरैक्शन (एलजीआई) का सफल आयोजन

भिलाई (समय दर्शन)। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एचआरडी केंद्र के मुख्य सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-2) श्री एस के घोषाल समेत विशेष अतिथि विभाग प्रमुख मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा और अग्निशमन सेवाएं) श्री प्रवीण राय भल्ला उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यक्रम में कुल 100 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में वरिष्ठ प्रबंधक (सुरक्षा) श्री अजय टह्लू द्वारा सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान, मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-2) श्री एस के घोषाल ने भिलाई इस्पात संयंत्र



की सुरक्षा पद्धतियों को आगे बढ़ाने में कड़े और दृढ़ अनुशासन की अनिवार्यता पर जोर दिया तथा परिचालन सुरक्षा में वृद्धि के साथ इसके संबंधों पर भी प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागों को धन्यवाद दिया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा और अग्निशमन



सेवाएं) श्री प्रवीण राय भल्ला ने अपने वक्तव्य में बीएसपी के सुरक्षा ढांचे के विषय में समूह को संबोधित किया और आपसी संवाद की भूमिका को रेखांकित किया। संगठन में सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने में प्रतिभागियों के अपरिहार्य योगदान पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (सुरक्षा) श्री एस के महतो और सहायक

विकास कार्यों का भूमिपूजन: 55 लाख रुपए से बनेगा सीमेंटीकरण: गलियों का भी होगा सीमेंटीकरण



विधायक और महापौर द्वारा
पार्श्वों के बीच किया
भूमिपूजन

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत विधायक गजेंद्र यादव और महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा सभापति राजेश यादव, लोक कर्म प्रभारी अब्दुल गनी, पार्श्व देवनारायण चन्द्राकर, पार्श्व खिलावन मटियारा एवं वार्ड नागरिकों के संग शनिवार को जयंती नगर कार्य क्र. 16 में सी.सी. रोड निर्माण कार्य धरसा रोड एवं विभिन्न गली भूमि पूजन और वार्ड क्रमांक 16 में मोहन साहू के घर के पास एवं अन्य स्थानों

पर डब्ल्यू.बी.एम. रोड एवं सी.सी. रोड निर्माण कार्य 40 लाख रु. के अलावा कादंबरी नगर वार्ड क्र. 17 में सी.सी. रोड निर्माण कार्य पप्पू फेब्रिकेशन से लास्ट बार्डरवाल 15 लाख रु. तक किया जाना प्रस्तावित है। बता दें कि इन दो वार्डों के लिए 55 लाख की लागत से प्रस्तावित सीमेंटीकरण विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि लोगों का स्नेह ही हमारी शक्ति है। लोगों के विश्वास के अनुरूप कार्य ही, हम सभी का पूजन और वार्ड क्रमांक 16 में मोहन साहू के घर के पास एवं अन्य स्थानों

बारिश के दिनों में कीचड़ से निजात मिलेगी। लोगों की मांग के अनुसार वार्डों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं। वही विधायक व महापौर ने अधिकारियों को निर्माण के दौरान ढलान और गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने के साथ ही समय पर कार्य पूर्ण करने कहा। विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल भूमिपूजन में शामिल हुए। उन्होंने दो वार्डों के लिए 55 लाख से होने वाले विकास कार्य के लिए भूमिपूजन किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक व महापौर नागरिकों से रुबरु हुए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर नागरिकों से मुलाकात के दौरान आवश्यकताओं और समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान कार्यपालन दिनेश नेताम, सुरेश के वलानी, उपअभियंता पंकज साहू, करण यादव, विकास देवेश ध्व, पूर्व पार्श्व अल्का बाघमार, अजय गुप्ता, भास्कर तिवाड़ी, मंजु पांडेय, स्वेता तात्रकार, मनोज चंद्राकर, घनश्याम साहू, सनत साहू स्थानीय कलानी निवासी थानुराम साहू, भीमराज प्रजापति, सी.पी. देवांगन, शर्मा, भास्कर तिवाड़ी, सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

आज चलेगा महा अभियान, ड्राई डे दिन में 10 से 11 भिलाई निगम क्षेत्र में



भिलाई (समय दर्शन)। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में रविवार के दिन 10:00 बजे से 11:00 बजे के बीच में सभी नागरिक एक साथ मिलकर ड्राई डे चलाएंगे। इस अभियान में जुड़ने के लिए विधायक रीकेस सेन, देवेंद्र यादव महापौर नीरज पाल, कलेक्टर सुश्री रिचा प्रकाश चौधरी, नगर निगम कमिश्नर देवेश ध्व, चैबर ऑफ कॉमर्स के अजय भसीन फ़ाइट द बाइट संयुक्त अभियान से सबको जुड़ने के लिए आवाहन किए हैं। संयुक्त अभियान में रविवार के दिन सुबह 10:00 बजे से 11:00 तक प्रत्येक नागरिक अपने घर की साफ-सफाई करेगा। अपने घर के कुलर, गमले, फ्रिज के

नीचे का ट्रे, पानी का नाद, एवं अन्य स्थल जहां पर भी पानी जमा होने की संभावना है, पानी तरह साफ करके, सुखा के, फिर उसमें पानी भरा जाएगा। तभी ड्राई डे का अभियान सफल होगा। फ़ाइट द बाइट अभियान के अंतर्गत किसी भी प्रकार के मच्छर के लार्वा पाए जाने पर पानी को सुखे में गिरा देना है। उसमें जला मोबाइल डाल देना है या निगम से मिली हुई टेमीफास की दवा को डालेंगे। यही प्रयास होगा कि डेंगू मलेरिया मच्छर जनित बीमारी न फैले। इस अभियान में एक विशेष प्रतियोगिता है, सभी लोग सफाई करके अपना फोटो सोशल मीडिया में डालेंगे नगर निगम

भिलाई के साइड में पोस्ट करेंगे। जिससे दूसरे के लिए प्रेरणा स्रोत हो। महापौर नीरज पाल ने सभी नागरिकों माता एवं बहनों खिलाड़ियों से स्कूल कॉलेज के बच्चों व्यापारियों से सामूहिक आवाहन की है, कि हम सब मिलकर के एक घंटा अपने परिवार के लिए, अपने अड़ोस-पड़ोस अपने घर के लिए, श्रमदान करेंगे। अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करेंगे। नगर निगम भिलाई के सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी अपने-अपने घरों में साफ-सफाई करेंगे। उसकी पोस्ट निगम के फेसबुक ट्विटर इंस्टाग्राम में डालेंगे। सबको प्रेरित करेंगे।

शक्तिधाम मां महाकाली मंदिर की स्थापना दिवस पर 51 यूनिट रक्तदान के साथ 101 वृक्षारोपण

विभिन्न समाज के समाज प्रमुखों का भी किया गया सम्मान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर के वार्ड नंबर 1 बाबुटोला में स्थित शक्तिधाम मां महाकाली मंदिर में 5वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव, नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु एवं चिखली थाना प्रभारी नरेश कुमार बंजारे भी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर रक्तदान व वृक्षारोपण भी किया गया। साथ ही विभिन्न समाज के समाज प्रमुखों का सम्मान भी किया गया।

5 जुलाई को शहर के बाबुटोला स्थित शक्तिधाम मां महाकाली मंदिर का 5वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद व प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में निगम के नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु उपस्थित थे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विहिप प्रांत सहसंगठन मंत्री नंदराम साहू ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में चिखली थाना प्रभारी भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में पूर्व सांसद व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव, नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु, विहिप प्रांत सहसंगठन मंत्री नंदराम साहू, चिखली थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार ने भी पौधे लगाए।

मुख्य अतिथि की आसंदी से श्री यादव ने समिति की रक्तदान व वृक्षारोपण कार्यक्रम की मुक्तकंठ से



सराहना की एवं निकट भविष्य में ऐसे जनकल्याण कार्यक्रमों में अपनी पूरी सहयोग व सहभागिता की बात कही। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि किशुन यदु, चिखली थाना प्रभारी नरेश कुमार बंजारे, अध्यक्षता कर रहे नंदराम साहू ने कार्यक्रम को जनसेवा व युवाओं के

लिये प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर 51 यूनिट रक्तदान किया गया। शक्तिधाम मां महाकाली मंदिर व शक्तिधाम मंदिर की सेवा संस्था शक्तिधाम धर्मार्थ सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित रक्तदान कार्यक्रम में समिति व संस्था प्रमुख गुरुदेव हरीश यादव, गुप्ता

श्रद्धा यादव, श्रीमती ज्योति वर्मा, अध्यक्ष अखिलेश बंजारा, संरक्षक दुर्गाप्रसाद यादव, भोजराम वर्मा, भगवती निषाद, कोशल दास मानिकपुरी, पितांबर देवांगन, चंद्रेश, किशन चौरसिया, प्रांशु भरतदाज, राजीव सिंह, इंद्रजीत साहू, लोकेश, रूपेंद्र, अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा के युवा नेता व समाजसेवी दुर्गेश यादव, पूर्व पार्श्व श्रीमती जमुना साहू, भैरव सिंह सहित समिति एवं शहर व दूरस्थ क्षेत्रों से आये बंधुओं ने सहर्ष 51 यूनिट रक्तदान किया। समाज प्रमुखों में महेश यादव, राधे यादव, नाथूराम सिन्हा, अनिल कौशिक उपस्थित हुए। स्थापना दिवस पर उपस्थित सभी समाज के समाज प्रमुखों ने समिति के इस एक मंच पर कार्यक्रम के माध्यम से सम्मान करना सभी समाज को एक साथ जोड़ने की दिशा में अभिनव पहल बताया। कार्यक्रम के तहत विभिन्न समाज के समाज प्रमुखों ने भी वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए हर वर्ग को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं रक्तदान करने के संदेश दिए।

स्थापना दिवस के अवसर पर विहिप जिला महामंत्री अनुप श्रीवास, पोलेश्वर देवांगन, पूर्व पार्श्व श्रीमती मीना यादव, शम्भू वर्मा, शीलू यादव, उमेश यादव, थानेश साहू, श्याम साहू, अक्षय, टेकराम भार्गव, दिग्विजय, सारंग, कुशल, विकास, लव, राकेश सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने शराब घोटाले से जुड़े नकली होलोग्राम की जल्ती के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आए बयान पर पलटवार किया

जांच की आँच में झुलसने के डर से बेचैन भूपेश बघेल मिथ्या प्रलाप कर रहे : मूणत

रायपुर (समय दर्शन)। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने शराब घोटाले से जुड़े नकली होलोग्राम की जल्ती के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आए बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि बघेल की ज्ञानेन्द्रिय अब जाकर हरकत में आई है, जब एसीबी और ईओडब्ल्यू ने धनेली गाँव में छापा मारकर महापौर एजाज डेबर के बड़े भाई और शराब घोटाले के आरोपी अनवर डेबर के खेत की खुदाई करके वहाँ से सैकड़ों अधजले नकली होलोग्राम का जखीरा जब्त किया। घोटाले के गिरफ्तार आरोपियों द्वारा पूछताछ के दौरान नकली होलोग्राम का सच स्वीकार करने के बाद भी भूपेश बघेल इस मामले में फिर मिथ्या प्रलाप करके नित नया प्रपंच फैलाते जरा भी शर्म महसूस नहीं कर रहे हैं।

मूणत ने कहा कि शराब घोटाले के मामले में बघेल द्वारा रचे जा रहे राजनीतिक प्रपंच की उम्र ज्यादा लंबी नहीं है। देर-सबेर इस मामले का पूरा सच

सामने आएगा और फिर दोषी चाहे कोई भी हो, उसकी जगह जेल की सलाखों के पीछे होगी। बघेल यह बात अच्छी तरह समझ रहे हैं कि जांच की आँच में देर-सबेर उनका राजनीतिक वजूद झुलसने वाला है, यही डर बघेल को बेचैन कर रहा है, उनसे मिथ्या प्रलाप करा रहा है। मूणत ने सवाल किया कि आखिर नकली होलोग्राम मामले में बघेल की जुबान तब क्यों चली, जब डेबर के खेत से नकली होलोग्राम का जखीरा पकड़ाया और साक्ष्य मिटाने के आरोप में तीन लोगों की गिरफ्तारी हुई? बघेल होलोग्राम बनाने वाली फैक्ट्री को फर्स्ट बेनिफिशियरी बताकर आखिर अपने धक्कम पर कब तक पर्दा डालने की नाकाम कोशिश करते रहेंगे? फैक्ट्री मालिक गुजरात का होना इस पूरे मामले उतना मायने नहीं रखता, जितना यह मायने उल्लंघन करके होलोग्राम बनाने का टैंडर किसके शासनकाल में देकर नकली होलोग्राम बनवाए गए और फिर उसे



छत्तीसगढ़ में शराब के गोरखधंधे में इस्तेमाल किया गया? बघेल को अब यह कैसे पता चला कि फैक्ट्री मालिक गुजरात का है? क्या बघेल बाकी का प्रलाप छोड़कर प्रदेश को इन सवालों का जवाब देने का माथा रखते हैं?

प्रवक्ता मूणत ने कहा कि शराब घोटाले को लेकर हो रही जांच पर भूपेश बघेल कहते थे कि इसमें तानाशाही हो रही है, सरकार को बदनाम करने की कोशिश हो रही है। शराब घोटाले के जो आरोपी हैं और जो गिरफ्तार हुए हैं, अब तो उन्होंने भी साफ कर दिया है कि हम नकली

होलोग्राम बनाते थे। कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार के कार्यकाल में हुए शराब घोटाले को लेकर लगातार हो रहे ताजा खुलासों और बरामदगी के महेनजर कांग्रेस के भ्रष्ट कारनामों को लेकर तीखा हमला बोलते हुए मूणत ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने शराब के गोरखधंधे को बढ़ावा देकर जितनी काली करतूतें की हैं, वह अब सामने आ रही हैं, इसलिए बघेल रोज बिप्लर रहे हैं। भूपेश सरकार न केवल शराब की कोचियागिरी कर रही थी, बल्कि नकली और अवैध शराब के जरिए एक तरफ जान-माल के साथ धिनौना खिलवाड़ तक कर रही थी तो दूसरी तरफ प्रदेश के सरकारी खजाने पर डाका डाल रही थी। अब यह बात अब आईने की तरह साफ हो गई है कि प्रदेश का शराब घोटाला पिछली कांग्रेस सरकार की छत्रछाया में ही फल-फूल रहा था। जांच के दौरान इस मामले की कलाई खुलने से सशक्त तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस नेता अनर्गल प्रलाप कर जांच एजेंसियों को

केंद्र सरकार की एजेंट बताकर भ्रम फैलाते रहे, पर अब सच का सामना करने के लिए बघेल को तैयार हो जाना चाहिए। मूणत ने कहा कि ताजा खुलासे और बरामदगी तो अभी इस पूरे घोटाले का ट्रेलर भर है, पूरी पिछर तो पर्दे पर अब आएगी। नित-नए चौंकाने वाले खुलासों की ऐसी खबरें तो अब लगातार आएंगी। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल, जो भ्रष्टाचार के तमाम खुलासों के मौकों पर भ्रष्टाचार के आरोपियों के वकील बनकर खड़े होते रहे हैं, शराब घोटाले को लेकर लगातार झूठ बोलकर प्रदेश को गुमराह करते रहे। इस पूरे मामले में बघेल की भूमिका को भी जाँच के दायरे में लाने की मांग करते हुए मूणत ने सवाल दागा कि शराब घोटाले के लिए डेबर परिवार को संरक्षण देने के एवज में वह कितनी कीमत वसूल रहे थे? प्रदेश सरकार की जानकारी में इतना बड़ा घोटाला फल-फूल रहा था और बघेल इस मामले को लेकर अनभिज्ञता का पाखंड रचते रहे।

सहकार से समृद्धि की परिकल्पना होगी साकार प्रदेश और देश की समृद्धि: मंत्री



रायपुर। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सहकारी समितियों के सशक्तिकरण से किसानों सहित गांव, प्रदेश और देश की समृद्धि जुड़ी हुई है।

सबकी सहभागिता से सबका विकास ही सहकारिता का मूल उद्देश्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के गांव, गरीब और किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए “सहकार से समृद्धि” को साकार करने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली हमारी सरकार का ध्येय वाक्य भी “सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास” है और इसी ध्येय वाक्य को लेकर हमारी सरकार लोगों के हित में काम कर रही है। उन्होंने सहकारी समिति से जुड़े लोगों से कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में हमारा काम जमीनी स्तर पर दिखनी चाहिए। सबकी सहभागिता और सहयोग से ही हम आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकेंगे।

मंत्री कश्यप ने कहा कि धरती मां को हम वसुंधरा के नाम से भी जानते हैं। इस वसुंधरा की हम पूजा करने वाले लोग हैं। जहां भी हल चलाकर हम बीज बो देते हैं। वसुंधरा हमें जीवकोपार्जन के लिए कई गुना अनाज देती है। उन्होंने कहा कि सहकारी समिति केवल धान, बीज खरीदी और

बिक्री का केन्द्र नहीं, बल्कि इसे मल्टी एंक्टिविटीज तथा कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार ने प्रदेश के किसानों से एक-एक दाना धान खरीदने का वादा किया था। हमारी सरकार ने इन वादों के मुताबिक 3100 सौ रूपए प्रति क्विंटल के मान से राज्य के लगभग 25 लाख किसानों से 145 लाख मेट्रिक टन धान खरीदने का काम किया।

उन्होंने कहा कि किसानों की प्रगति हमारी प्राथमिकता में है। किसानों के प्रारंभिक जरूरतों को पूरा करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से बिना ब्याज के ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक साढ़े 5 हजार करोड़ रूपए ऋण वितरण किए जा चुके हैं। इस खरीफ सीजन में 7 हजार 300 करोड़ रूपए का ऋण वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है।

सहकार सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि सहकारी समितियों के माध्यम से आमजनों को अधिक से अधिक लाभ मिल रहा है। लोगों में आपसी समन्वय और सहयोग की भावना विकसित होने से विकास का नया रास्ता खुला है। सहकारी समिति किसानों को आर्थिक मदद करने का एक नया जरिया बना है। उन्होंने संस्कार से सहकार और सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को साकार करने लोगों से अपील की।

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर रेल्वे स्टेशन के प्लेटफर्म नंबर 7 से 6 जुलाई को प्रातः 6 बजे रायपुर से पुरी के लिए अनारक्षित रथ यात्रा स्पेशल ट्रेन के प्रथम फेरे का परिचालन किया गया। विधायक रायपुर उत्तर पुरंदर मिश्रा ने हरी झंडी दिखा कर अनारक्षित रथ यात्रा स्पेशल को रवाना किया। महाप्रभु जगन्नाथ जी के दर्शन और विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा के साक्षी बनने के लिए पुरी जा रहे यात्रियों की मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी सहित रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अनारक्षित रथ यात्रा स्पेशल का किराया रायपुर से पुरी तक मात्र 125 रुपये है, इस ट्रेन में कोई भी यात्री टिकट लेकर ट्रेन के किसी भी कोच में बैठ सकता है। इस ट्रेन की सुविधा मिलने से रथ यात्रा के दौरान ट्रेनों में होने वाली अतिरिक्त भीड़भाड़ को कम करने में सहायता मिलेगी एवं जगन्नाथ जी के दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालु आसानी से अपनी यात्रा कर सकेंगे।

अब यह गाड़ी रायपुर से 08383 नंबर के साथ दिनांक 14 जुलाई 2024 को प्रातः 06.00 बजे रवाना होकर रात्रि 23.00 पुरी पहुंचेगी।



इसी प्रकार पुरी से 08384 नंबर के साथ दिनांक 08 एवं 16 जुलाई 2024 को मध्य रात्रि 02.45 बजे रवाना होकर 16.00 बजे रायपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 18 कोच के साथ चलेगी।

इस ट्रेन के कार्मशियल स्टोपेज रायपुर, मंदिर हसौद, महासमुंद, बागबहरा, खरीयार रोड, नवापारा रोड, हरीशंकर रोड, काटाभंजी, मूरी बहल, टोटलागढ़, केसिंगा, रूपा रोड, नरला रोड, लांजीगढ़ रोड, अंबाडोला, मुनिगुडा,

बिसम कटक, थेरुबाली, सिंगारपुर रोड, रायगड़ा, पार्वतीपुरम टाउन, पार्वतीपुरम, बोखिली, विजयनगरम, चिपुरुपली, सिगदम, पोंडुरु, श्रीकाकुलम रोड, तिलार, कोटाबोमली, नौपाड़ा, पलासा, मंडासा, सोमपेटा, इच्छापुरम, ब्रहमपुर, छतरपुर, गंजम, खालिकोटी, बालुगाओं, कालुपाराघाट, निराकारपुर, काइपादर रोड, अरगुल एवं हरिपुरग्राम व पुरी के मध्य सभी स्टेशनों पर दिये गए हैं।

एक पेड़ मां के नाम : उद्योग मंत्री देवांगन ने लगाया आंवला का पौधा

लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील

रायपुर (समय दर्शन)। वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा के वार्ड क्रमांक 16 चारपारा कोहड़िया स्थित शिव मंदिर परिसर में “एक पेड़ मां के नाम अभियान” के तहत अपनी मां स्वर्गाय श्रीमती सोनकुंवर देवांगन का नया रास्ता खुला है। सहकारी समिति किसानों को आर्थिक मदद करने का एक नया जरिया बना है। उन्होंने संस्कार से सहकार और सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को साकार करने लोगों से अपील की।



करने आह्वान किया था। इसी तारतम्य में देश भर में लोग अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ रहे हैं। मंत्री देवांगन ने कहा

कि सभी लोग एक पेड़ अपनी मां के नाम पर जरूर लगाएं, क्योंकि दुनिया का सबसे बड़ा रिश्ता मां का होता है। मां का दर्जा सबसे ऊंचा होता है। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी लोग अपनी मां के साथ मिलकर या उनके साथ एक पेड़ जरूर लगाएं। इस अवसर पर उनके साथ नगर निगम कोरबा के पार्षद नरेंद्र देवांगन, मनोज अग्रवाल, प्रीति स्वर्णकार, अनिल यादव, नरेंद्र गोस्वामी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सैमसंग इंडिया ने ‘सॉल्व फॉर टुमॉरो’ की 100 टीमों की पहली सूची जारी की

रायपुर (समय दर्शन)। भारत के अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी एक बड़ी सीएसआर पहल – ‘सॉल्व फॉर टुमॉरो’ के लिए 100 टीमों को शॉर्टलिस्ट करने की घोषणा की है। यह पहल देशभर में नए-नए आविष्कार करने के सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई है। इस शॉर्टलिस्ट में ‘स्कूल’ और ‘यूथ’ ट्रेक से 50-50 टीमें शामिल हैं जो अब राष्ट्रीय शिक्षा और नवाचार प्रतियोगिता में आगे प्रतिस्पर्धा करेंगी।

इस वर्षशॉर्टलिस्टिंगक्षेत्रीय स्तर पर की गई है। इससे इस प्रतियोगिता को देश के सुदूर इलाकों जैसे कि ओडिशा कचर में खुर्दा और असम में कामरूप ग्रामीण और गुजरात में अमरेली में रहने वाले भारतीय इनोवेटर्स की अगली पीढ़ी तक पहुंचने में मदद मिल सके। यूथ ट्रेक में ‘पर्यावरण और स्थिरता’ विषय को कवर करने वाले टॉप 50 आईडियाज न केवल गैर- परंपरागत हैं, बल्कि इन्हें भविष्य की ध्यानमन रखकर लाया गया है। वनों की कटाई, प्लास्टिक कचरा

प्रबंधन, समुद्री प्रदूषण, कार्बन उत्सर्जन, अनसस्टेनेबल पैकेजिंग और खराब जल प्रबंधन जैसे मुद्दे युवाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण विषय के रूप में सामने आए हैं। दूसरी ओर, ‘स्कूल’ ट्रेक ने ‘समुदाय और समावेशन’ थीम के तहत अपने विचार पेश किए हैं। उनके विचार स्कूली छात्रों में मानसिक बीमारी, ख़ब्रछक समुदाय के लिए समावेशी माहौल की कमी, समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों में डिजिटल साक्षरता की खराब स्थिति और नौकरी के लिए तैयार होने के लिए एकेडेमिक शिक्षा और तकनीकी कौशल के बीच मौजूदा अंतर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधानों पर केंद्रित हैं।

100 टीमों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 232 प्रतिभागी अब ‘सॉल्व फॉर टुमॉरो’ प्रतियोगिता के आधिकारिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के जरिए प्रजेंटेशन और असरदार ढंग से बात भविष्य की ध्यानमन रखकर लाया गया है। वनों की कटाई, प्लास्टिक कचरा

वाले रीजनल राउंड की तैयारी में मदद मिलेगी।

सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट एसपी चुन ने कहा सैमसंग का मानना है कि हमारे युवाओं में सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाने की अपार शक्ति और क्षमता है। हमारे प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम ‘सॉल्व फॉर टुमॉरो’ ने इस साल पहली बार स्कूली छात्रों के लिए एक शासनदार अनुभव है। सैमसंग को ध्यान में रखते हुए एक नई कैटेगरी बनाई है। विचारों की गुणवत्ता में सुधार उनकी रचनात्मकता और नई सोच का प्रमाण है। इस साल पहली बार, हमने पांच क्षेत्रों – उत्तर, दक्षिण, पश्चिम, पूर्व और उत्तर-पूर्व के सुदूर इलाकों में भी जाने का फैसला किया है, इससे देश के दूर दूरस्थ क्षेत्रों से भी भागीदारी बढ़ेगी। हमें कुछ बहुत ही अच्छी तरह से व्यक्त किए गए विचार मिले हैं, और युवाओं से इस तरह की प्रस्तुतियां और विचारों की स्पष्टता देखना अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक है। आईआईटी-

दिल्ली के एफआईटीटी के एमडी प्रो. प्रीति रंजन पांडा ने कहा, सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो इस साल पर्यावरण, समुदाय और समावेशन जैसे विषयों को सपोर्ट करने का उद्देश्य लेकर चल रहा है। अलग-अलग ट्रेक – यूथ और स्कूल – ने सभी प्रतिस्पर्धी टीमों को समान अवसर और एक समान मंच दिया है। देश भर के युवा दिमागों से इस तरह के विचारोत्तेजक विचारों को आते देखा एक शासनदार अनुभव है। सैमसंग को साथ मिलकर, हमारा प्रयास अगली पीढ़ी में समस्या-समाधान की मानसिकता को प्रोत्साहित करना है जो देश में स्टार्ट-अप के क्षेत्र को बेहतर बनाने में उत्प्रेरक का काम करेगी।

अगले चरण में पांच क्षेत्रों – उत्तर, पूर्व, पश्चिम, दक्षिण और उत्तर-पूर्व – से दूर टीमों का शीम समुदाय और समावेशन 20 टीमों का राष्ट्रीय पूल बनेगा। इसमें से टॉप 20 टीमों को अपने तकनीकी और सॉफ्ट कौशल को बेहतर बनाने के लिए विचारों की स्पष्टता देखना अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक है। आईआईटी-

प्रशिक्षण की एक गहन प्रक्रिया से गुजरना होगा। ये टीमें गुरुग्राम में सैमसंग क्षेत्रीय मुख्यालय और भारत भर में सैमसंग के आरएंडडी सेंटर्स पर ‘इनोवेशन वॉक’ में भी भाग लेंगी। सॉल्व फॉर टुमॉरो 2024 ट्रेक की विस्तृत जानकारी: इस वर्ष, ‘सॉल्व फॉर टुमॉरो’ कार्यक्रम में दो अलग-अलग ट्रेक पेश किए गए – स्कूल ट्रेक और यूथ ट्रेक, जिनमें से प्रत्येक एक खास थीम को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है और अलग-अलग आयु वर्ग को ध्यान में रखकर बनाया गया है। दोनों ट्रेक एक साथ चलते हैं, जिससे सभी छात्रों के लिए समान अवसर और एक समान मंच मिलता है।

स्कूल ट्रेक: स्कूल ट्रेक 14-17 वर्ष की आयु के छात्रों के लिए बनाया गया है, जिसका थीम समुदाय और समावेशन है। विजेता टीम को सॉल्व फॉर टुमॉरो 2024 का कम्प्युनिटी चैंपियन घोषित किया जाएगा और प्रोटोटाइप के विकास के लिए 25 लाख रुपये की सीड फंडिंग मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

खाद्य मंत्री ने बाघुल में नवीन ग्राम पंचायत भवन का शुभारंभ किया



रायपुर (समय दर्शन)। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने शनिवार को बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकास खंड के ग्राम बाघुल में 18 लाख 63 हजार की लागत से नवीन ग्राम पंचायत भवन का शुभारंभ किया। खाद्य मंत्री बघेल ने शुभारंभ अवसर पर सभी को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पंचायत को मजबूत करने के लिए बाघुल गांव को नया पंचायत भवन दिया गया है। इसका उपयोग गांव के सरपंच, पंच और आम लोग बैठक, प्रशिक्षण देने के लिए कर सकेंगे। इस अवसर पर सरपंच बाघुल श्रीमती उर्वशी अर्जुन सिंग लसेल, मीना रामनाथ, टार्जन साहू, चंद्रपाल साहू, अजय साहू, परस वर्मा, खोरवाहरा साहू और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

सालेम इंग्लिश स्कूल के छात्रों ने ली नशे से दूर रहने की शपथ



रायपुर (समय दर्शन)। सालेम इंग्लिश स्कूल में आज पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंग के दिशा-निर्देशन में ऋनिजातः नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को नशे से दूर रखने और इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविल लाइन थाना प्रभारी रोहित मालेकर थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता बी. शैलजा, पुलिस बालमित्र रोशना डेविड, और बी. बी. एस. कुमार उपस्थित रहे। नारे और स्लोगन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। रोहित मालेकर ने बच्चों को निजात कार्यक्रम के उद्देश्य से अवगत कराया और नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को नशे से बचने के उपाय बताते हुए शपथ दिलाई कि वे नशा नहीं करेंगे।

बच्चों को प्रेरित करने वाले संदेश- मालेकर ने बच्चों को अनुशासन, मेहनत, लगन, और ईमानदारी से शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। बी. शैलजा ने बच्चों को हर दिन उत्साह और नई ऊर्जा के साथ स्कूल आने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बच्चों को पुलिस को अपना मित्र मानकर निडर होकर अपराध की जानकारी देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन सालेम इंग्लिश स्कूल की प्रभारी प्राचार्या श्रीमती रुफिका लॉरेंस के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम में समस्त शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे और उन्होंने कार्यक्रम का लाभ लिया।

सभी जिलों के गांवों में 6 से 20 जुलाई तक चलेगा राजस्व पखवाड़ा : टंकराम वर्मा



रायपुर (समय दर्शन)। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने शनिवार को प्रेसवार्ता लेकर राज्य में चलाए जा रहे राजस्व पखवाड़ा, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य राजस्व विषयों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप राज्य में सुशासन स्थापित करने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आमजनों को सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। राजस्व पखवाड़ा में राजस्व विभाग से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए 6 से 20 जुलाई तक सभी जिलों के ग्रामों में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से बी-1, खसरा के नकल एवं किसान किलाबों के आवेदनों को निवारि स्थल पर ही निराकरण किया जाएगा। इसी तरह आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र संबंधी समस्याएं आवेदनों को लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से ऑनलाइन प्रविष्टि एवं शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा। शिविर में प्राप्त होने वाले फ़ैती नामांतरण, बटवारा, त्रुटि सुधार के प्रकरणों का मौके पर ही ऑनलाइन अपलोड कर हलका प्रमाण द्वारा प्रतिवेदन, पंचनामा आदि की प्रविष्टि एवं मौके पर ईशतहार जारी कर पक्षकारों को तामिल कराया जाकर प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। राज्य में अभी 7 लाख 4 हजार 154 दर्ज प्रकरणों में से 5 लाख 90 हजार 490 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। लंबित प्रकरणों को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश संबंधित राजस्व अधिकारियों को दिए गए।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए नहीं भटकना पड़ेगा : राजस्व पखवाड़ा में होगा त्वरित निराकरण- लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2011 के तहत राजस्व विभाग के 25 सेवाओं को अधिसूचित किया गया है। इसमें नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, व्यपवर्तन, ऋण पुस्तिका, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, अपील, पुनरीक्षण, पुनर्विलोकन के मामले, त्रुटि सुधार, राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा से हुए क्षति पर आर्थिक सहायता के प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा अंदर निराकरण किया जाएगा। विवादित प्रकरणों के निराकरण हेतु सभी राजस्व अधिकारी नियतित रूप से न्यायालय में आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन कर गुणवत्ता युक्त निर्णय यथाशीघ्र सुनिश्चित करेंगे।

बैंक खाते, यूपीआई आईडी और नेट बैंकिंग के माध्यम से जमा कर सकेंगे भू-राजस्व- राजस्व मंत्री ने कहा कि राजस्व न्यायालय के सभी पीठासीन अधिकारियों को सभी राजस्व प्रकरणों को पंजीकृत करने, शुन्य आदेश पत्र वाले प्रकरणों एवं ऐसे प्रकरण जिसमें पेशी तारीख की तिथि अद्यतन नहीं किये है, उन्हें शीघ्र ही पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया जा रहा है।

विचार-पक्ष

संपादकीय



खुद की तरफ मुड़ी उंगलियां भी देखनी होंगी

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों, नफरत फैलाने वाले भाषणों और धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के घरों और प्रार्थना स्थलों को ध्वस्त करने के मामलों के प्रतिताजानक वृद्धि हुई है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर विदेश विभाग की वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री एंटीनी ब्लिंकन ने ये बातें कहीं। उन्होंने दुनिया भर में लोगों की धार्मिक आजादी की रक्षा के लिए कानूनी चालोचढ़द करने की भी बात उठाई। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 28 में से 10 राज्यों में धर्मांतरण पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून हैं, जिनमें से कुछ राज्य विवाह के उद्देश्य से जबन धर्मांतरण के खिलाफ दंड भी लगाते हैं। इसमें दुनिया के तकीरन दो सौ देशों की धार्मिक स्थिति का आकलन किया गया है। हालांकि भारत ऐसे पहले से ही खारिज करता रहा है और इसे प्रकाशित करने वाले आयोग को पक्षपाती बताया है। सिखों, ईसाइयों, हिंदुओं, मुसलमानों, दलितों और आदिवासियों के खिलाफ हिंसा से निपटने में मोदी सरकार की नाकामी की बात कर रही है यह रिपोर्ट। इसमें 2023 में गैर-सरकारी संगठनों ने ईसाइयों के खिलाफ हिंसा की 687 घटनाओं की जाँच भी किया गया है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, मणिपुर हिंसा, ईसाइयों पर हमले, चर्च में तोड़-फोड़ और धर्मांतरण कानून के तहत हिरासत में रखे लोगों की चर्चा भी है। ईरान, ईरान, रूस, सऊदी अरब, अफगानिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और बर्मा के साथ भारत का नमन रखे जाने पर सरकार द्वारा जताई गई आपत्ति उचित है। कहना गलत नहीं है कि मोदी सरकार अपनी हिन्दुत्ववादी विचारधारा के चलते बहुसंख्यकों को प्रभावि चलेवा में सफल है। इसलिए हर साल अमेरिका को इस पर पुनः विचार करने की बात करने की बात कर रमदादायगी कर लेती है, जबकि सरकार को अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी छवि सुधारने के प्रयास करने चाहिए। संविधान कहता है कि भारत धर्मनिरपेक्ष राज्य है और धार्मिक आजादी मौलिक अधिकार है। इसलिए सभी धर्मावलंबियों को समुखा का दायित्व सरकार का है। वहीं अमेरिका में अंतो लेकर को पक्षपात होते हैं, उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। दूसरों पर उंगली उठते हुए, खुद की तरफ मुड़ी उंगलियाँ भी देखनी होंगी।

मोदी की रूस यात्रा

डॉ. दिलीप चौबे

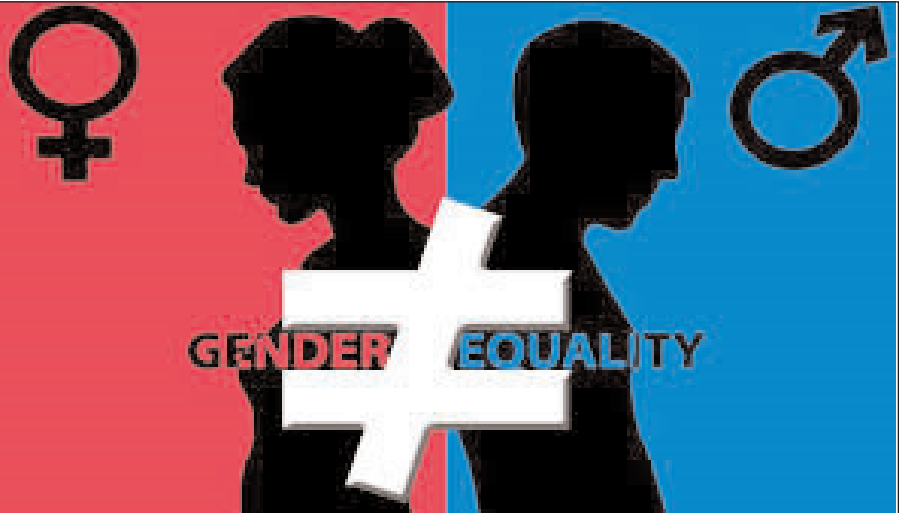
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में घरेलू और विदेश मोर्चे पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। आशानुरूप जनादेश नहीं मिलने के कारण उन्हें घरेलू राजनीति में अपना जुनाधार बनाए रखने और यथासंभव उसका विस्तार करने की चुनौती पेश है। कारगर विदेश नीति के लिए जरूरी है कि किसी भी बात में अपने देश में जनतंत्र का भरपूर समर्थन मिले। भारत में आम तौर पर विदेश नीति को लेकर मतभेद रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में राजनीति में बदलावों में वैमनस्यता और अविश्वास बढ़ा है। इसका असर विदेश नीति पर भी दिखाई दिया है। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने भारत के भारसेमंद बौद्ध धर्म और उसके नेता ब्रह्ममित्री पुतिन के खिलाफ प्रतिक्रिया दिखाने की कोशिश की। रूस के विदेश मंत्रालय की ओर से भी यह आरोप लगाया गया था कि अमेरिका भारतीय चुनाव प्रक्रिया में दखलअंदाजी कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने विदेश नीति की निरंतरता को कायम रखने के लिए बहुत चतुराई से प्रदर्शन किया। चुनाव परिणाम आने से पहले ही ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह समझौता किया गया। यदि चुनाव के बाद विपक्षी सरकार बनती तो यह समझौता होता या नहीं, यह अनुमान का विषय है। सरकार बनने के बाद अपनी पहली डिप्लोमसी विदेश यात्रा के रूप में रूस का चुनाव करार भी बहुत महत्वपूर्ण है। मोदी अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही रूस के साथ अपने संबंधों को पुख्ता बनाने चाहते हैं। अमेरिका सहित पश्चिमी देश भारत और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति बेरुखी का रवैया अपनाने लगे हैं। आगे चलकर यह प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष विरोध में बदल सकता है। ऐसे में मोदी की जबाबी रणनीति यह प्रतीत होती है कि रूस के साथ संबंधों को और मजबूत बनाया जाए। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1970 के दशक में ऐसी ही रणनीति अपनाई थी। भारत ने तत्कालीन सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि की थी जिसके कारण बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय भारत अमेरिका की चुनौती का सामना कर सका। प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा 8 और 9 जुलाई को संभावित है। इसी समय वाशिंगटन में नाटो सैन्य संगठन की शिखर वार्ता भी होने वाली है। कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण सैन्य सहयोग समझौता हो सकता है। इसके अंगत रूप के युद्धोपयोगी भारतीय बंदरगाहों में रडार और मरम्मत आदि की सुविधा हासिल कर सकते हैं। भारत ने कुछ वर्ष ऐसा ही समझौता अमेरिका और कुछ अन्य देशों के साथ भी किया था। लेकिन मौजूदा रणनीतिक परिदृश्य में रूस की नौसेना को यह सुविधा दिया जाना अमेरिका के लिए खतरे की घंटी है। रूस ने हाल में उत्तर कोरिया के सैन्य सैन्य गठबंधन किया है, जो जापान, दक्षिण कोरिया और फिलिपींस के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसी तरह रूसी सैनिकों ने हिन्द महासागर और अरब सागर में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। रूस और ईरान इन समुद्री क्षेत्र में अमेरिका के दबदबे को चुनौती दे रहे हैं। कुल मिलाकर पूर्वी हिन्द प्रशांत क्षेत्र में रूस की मौजूदगी पिछले शीत-युद्ध वाले दौर की वाद दिलाती है। इन हालात में रूस और भारत के बीच बढ़ती सैन्य सहयोग पर अमेरिका यथा रवैया अपनाता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान ही दोनों देश एक-400 मिखाइल प्रणाली के साथ-साथ उदापन के संबंध में भी समझौता कर सकते हैं। मेकसिको इंडिया मिशन की यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। कुछ दिनों के भीतर ही रूस में ही ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन होना है। लगातार व्यापक बन रहे ब्रिक्स संगठन के जरिए ग्लोबल साउथ आर्थिक मोर्चे पर घरेलू करंसी को मजबूत करने और अमेरिकी मुद्रा डॉलर का वर्चस्व समाप्त करने का फैसला भी कर सकते हैं।

भारत में लैंगिक असमानता की बढ़ती खाई

ललित गर्ग

विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका एक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दायम दंडों की स्थिति का बना रहना नीति-नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका है। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दायों से नहीं खती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दायों पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर महिला असमानता के दंश विद्यमान रहना बड़ी चुनौती है।

लैंगिक अंतर सूचकांक में पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था, जो 2011 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था। लेकिन इस वर्ष पिछे दो पायदान ऊपर चढ़ा है। सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइएलोड (93.5 फ़ीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। ग्रीष्म 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फ़ीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सततशीर्षों की तरफसे ईमानदार दुनिया होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि पिछले के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण



एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियाँ बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह अपेक्षा बनती है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये भी योजनाएँ महज घोषणाओं तथा फइलों तक सिमट कर रह जाती हैं।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता की स्थितियों का बना रहना विडम्बनापूर्ण है। भारत में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के स्वर को बहुत सुनने को मिलते हैं, महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार भी पुरुषों के बराबर दिया गया है, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। हमारे समाधियों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक समानता क्यों बढ़ रही है? हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं? जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधी है। पिछे भी महिला सशक्तिकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जा चुका है। देर-सेवर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है।

जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे।

महिलाएँ ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएँ अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएँ जैसे- माँ, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज भी महिला असमानता की स्थितियाँ बनी हुई हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। क्योंकि भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएँ हैं। सशक्तिकारी नीतियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी हैं। भारत में महिला रोजगार को लेकर चिन्ताजनक स्थितियाँ हैं। सेंटर फॉर् मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनॉमी (सीएमआई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएँ ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। रोजगार या नौकरी का जो क्षेत्र स्त्रियों के सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया रहा है, उसमें इनकी भागीदारी का अनुपात बेहद कम चिन्ताजनक हालात में पहुंच चुका है। योंज बोस की किसी देश या समाज में अचानक या सुनिश्चित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा युद्ध एवं

राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौंका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती हैं। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ़ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज़ क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योग्यभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों? लेन्दा मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर नरामा दोषम दर्जा का लेबल टह रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे उन क्षेत्रों में जा रही हैं, जहाँ उनके जाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। वे टैक्सि, बस, ट्रक से लेकर जेट तक चला-उड़ा रही हैं। सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर रही हैं। अपने पद पर व्यवसायी बन रही हैं। होटलों की मालिक हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रही हैं। वे विदेशों में पढ़कर नौकरी नहीं, अपने गांव का सुधार करना चाहती हैं। अब सिर्फ अध्यापिका, नर्स, बैंकों की नौकरी, डॉक्टर आदि बाना ही लड़कियों के क्षेत्र नहीं रहे, वे अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कर रही हैं। स्त्री शक्ति के प्रति सम्मान भावना ही नहीं, समानता, सह-अस्तित्व एवं सौहार्द की भावना जागे, तभी उनके प्रति वह अपेक्षाओं में कमी आ सकेगी और लैंगिक असमानता को दूर किया जा सकेगा।

प्रवासियों का धन अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 27 जून को यूनाइटेड नेशंस माइग्रेशन एजेंसी के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय प्रवासियों के द्वारा वर्ष 2023-24 में भेजा गया रेमिटेंस (प्रवासियों के द्वारा अपने घर भेजा गया धन) दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। पिछले वर्ष में देश के रेमिटेंस 107 अरब डॉलर यानी 8.95 लाख करोड़ रुपए की ऊंचाई पर है।

खास बात यह है कि पिछले वर्ष में भारतीयों द्वारा भेजी गई यह रकम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) से लगभग दो गुना है। 100 अरब डॉलर से ज्यादा की धनराशि भारत भेजी है। पिछले वर्ष 2022-23 में भारतीय प्रवासियों ने 111 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत भेजा था। ज्ञातव्य है कि भारत के बाद मेक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देश है।

यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले एक दशक में भारत में लगातार अन्य देशों के मुकाबले रेमिटेंस सबसे अधिक रहा है। भारत में वर्ष 2010 में रेमिटेंस के तौर पर 53.48 अरब डॉलर आए थे। वहीं ये वर्ष 2015 में बढ़कर 68.19 अरब डॉलर और वर्ष 2020 में

33.15 अरब डॉलर हो गए हैं। प्रवासी भारतीयों की संख्या भारत भेजा गया घन वर्ष 2021-22 में 38.37 अरब डॉलर था। प्रवासियों का यह घन वर्ष जहाँ प्रवासियों के परिजनों को मुस्कुराहट दे रहा है, वहीं अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभप्रद है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि जब कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसद की सामाजिक विकास दर की स्थिति में पहुँच गई थी और बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार बंद होने के कारण देश में आर्थिक-सामाजिक परेशानियाँ बढ़ गई थी, उस समय आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों के द्वारा भेजी गई बड़ी राशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। गौरतलब है कि दुनिया में प्रवासी भारतीयों की संख्या करीब 1 करोड़ 80 लाख है। दुनियाभर में सबसे ज्यादा प्रवासी भारत के हैं। सबसे ज्यादा भारतीय प्रवासी संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब में रहते हैं। पहले जहाँ भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले खाड़ी देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या ज्यादा है जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगपुर, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों का राहते हैं। ऐसे में वे अधिक कमाई करके अधिक धन भारत भेज रहे हैं।

निसंदेह प्रवासी भारतीय भारत की

राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी शक्ति बढ़ाने में भी अहम सहयोग कर रहे हैं। यहाँ कोई छोटی बात नहीं है कि दुनिया के कोने कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों ने राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती उंचाई भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्त्वपूर्ण हो गई है। इतना ही नहीं, भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में बहुत आगे हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नंदा, गूगल के सुंदर पिचाई, नोवार्टिस के वसन्त रसिस्महन आदि अपनी प्रतिभा, कोशल और कारोबार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की अगुवाई कर रहे हैं और भारत के विकास के सहभागी भी बन रहे हैं। इस समय 18 करोड़ लोक सभा चुनाव के बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की एनडीए गठबंधन सरकार बनने के बाद प्रवासियों के कहना है कि एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी नई सरकार से प्रवासियों को भारत के विकास में सहयोग और सहभागिता करने के मद्देनजर नई उपाय प्रारंभ होगी।

अमेरिका में कार्यरत भारतीय अमेरिकन डेमोक्रेटिक फंडराइजर तथा भारत हितैषी प्रवासियों के विभिन्न संगठनों का कहना है कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी

दुनिया के आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर जिस तरह भारत की सफलताओं का परचम फहराया है, उससे प्रवासियों के द्वारा हमें अनुभव किया जा रहा है। उनका मानना है कि पिछले 10 वर्षों में भारत की सुरक्षा में सुधार हुआ है। सरकार ने आतंकवादी खतरों से आतंकवादी घटनाओं को नियंत्रित कर दिया है। सरकार की नीतियां भारत को आगे बढ़ रही हैं।

ज्ञातव्य है कि जहां वर्ष 2023 में इस्त्राएल और हमारा आतंकियों के बीच चल रहे संघर्ष के बीच इस्त्राएल में फंसे भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित वापस वापसी के लिए भारत ने 'ऑपरेशन अजय' चलाया है। साथ ही वर्ष 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में भारतीय समुदाय की स्थिति खतरों में आ गया था। तब 'ऑपरेशन गंगा' के तहत बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया था। इसमें कोई दो मत नहीं कि अभी भारत द्वारा अफगानिस्तान प्रवासियों के दुख-दर्द को कम करने में अधिक सहयोग किया जाना होगा। भारत सरकार की और अधिक सक्रियता जरूरी है। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरे कार्यकाल में एनडीए गठबंधन की सरकार के द्वारा प्रवासियों के साथ स्नेह सहभागिता के नए अध्याय लिखे जा सकेंगे।

परीक्षा के प्रति निष्ठा सुनिश्चित करना: सरकार की त्वरित कार्रवाई और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता

प्रो. हिमांशु राय

अतियोगी परीक्षाओं की निष्ठा के बारे में बढ़ती चिन्ताओं के जवाब में, हमारी सरकार ने मुद्दों के समाधान के लिए तेजी से निर्णायक कार्रवाई की है। एनईईटी पूंजी परीक्षा को स्थगित करने, छह शहरों में एनईईटी परीक्षा को पुनर्परीक्षा के दौरान पेपर लीक के आरोप तथा हाल ही में यूसीसी नेट के पेपर लीक होने जैसी घटनाओं ने इन महत्वपूर्ण परीक्षाओं की निष्पक्षता और विश्वसनीयता के बारे में देश भर के छात्रों के बीच गंभीर संदेह पैदा कर दिया है। भारत सरकार के सक्रिय कदमों में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के विशेषीकृत नेटवर्क को बदलना और विशेषज्ञ समितियों की स्थापना करना शामिल हैं, जो विश्वास बहाल करने और परीक्षा प्रक्रिया की निष्ठा सुनिश्चित करने के प्रविष्ट प्रविष्टता प्रदर्शित करें। ये कार्य केवल तात्कालिक चुनौतियों का समाधान करने के बारे में नहीं हैं, बल्कि ये कदम सभी छात्रों में विश्वास को फिर से बहाल करने और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के संदर्भ में दीर्घकालिक रणनीति का भी संकेत देते हैं। परीक्षा का पारदर्शी, सुचारु और निष्पक्ष संचालन

सुनिश्चित करने के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने एक उच्च-स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। इस समिति का लक्ष्य दो महीने के भीतर कार्रवाई योग्य सिफारिशें देना है, जो परीक्षा प्रक्रियाओं में सुधार करेगी, टेस्टों को सुरक्षित के तौर-तरीकों को बेहतर बनाएगी और भविष्य में उल्लंघनों के खिलाफ बेहतर सुरक्षा के लिए एनटीए को प्रभावी रूप से पुनर्गठित करेगी। इसके अलावा, सीबीआई की भागीदारी एक गहन, निष्पक्ष जांच के लिए प्रतिक्रिया के रूप में प्रदान करेगी, जो न केवल जिम्मेदारताओं की पहचान करेगी, बल्कि उन प्रणालीगत कमजोरियों को भी उजागर करेगी, जिनकी वजह से इस तरह के उल्लंघन होते हैं। इसके अतिरिक्त, सरकार ने अनुचित प्रथाओं को रोकने और संभावित गलत प्रमाण करने वालों में भय पैदा करने के लिए एनटीए को सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम पेश किया है। अधिनियम में, परीक्षा की सत्यनिष्ठा से समझौता करने के दोषी पाए जाने वालों के लिए 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने और 10 साल तक की कैद सहित कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। ये कठोर उपाय, एनटीए में अभ्यर्थी के बीच निवारक संदेश देने और सार्वजनिक परीक्षाओं की पवित्रता को बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं।

तत्काल कार्रवाई ठोस और आवश्यक है, जबकि परीक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक सुस्था और निरुनिश्चित करने के लिए आगे के कदम महत्वपूर्ण अंतर्नाशन परीक्षाओं के लिए, अत्याधुनिक एन्किंग तकनीकों और बहु-स्तरीय प्रमाणिकरण को लागू करने से अनधिकृत पहुंच से सुरक्षा मिल सकती है। परीक्षा-पेपर के निर्माण से लेकर मूल्यांकन तक निगरानी करने और इसे सुरक्षित करने का सफाई ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जा सकता है ताकि किसी भी छेड़छाड़ का तुरंत पता लगाया जा सके। परंपरिक, ऑफलाइन परीक्षाओं के लिए, हर चरण में कड़े सुरक्षा उपकरणों हैं। इनमें परीक्षा सामग्री के लिए छेड़छाड़ रोधी पैकेजिंग, सुरक्षित परिवहन और सभी रखरखाव बिंदुओं पर कड़ी जांच शामिल है। लॉजिस्टिक्स के लिए वास्तविक-समय पर जीपीएस निगरानी तक डिजिटल वॉटरमार्किंग का उपयोग करना भी पेपर को जॉरिज्म को काफी हद तक कम कर सकता है। एआई-संचालित निरीक्षण प्रणाली का उपयोग करके परीक्षकों को निगरानी को बेहतर किया जा सकता है, जिससे धोखाधड़ी की संभावना भी कम

जायेगी। बायोमेट्रिक सत्यापन यह सुनिश्चित कर सकता है कि उम्मीदवार वही हैं, जो वे होने का दावा कर रहे हैं। इससे परीक्षा प्रक्रिया में सुरक्षा की एक और परत जुड़े जायेगी। इसके अतिरिक्त, स्वचालित निकायों द्वारा लगातार व गहन ऑडिट आयोजित करके से परीक्षा प्रक्रिया के भीतर कमजोरियों की पहचान करने में मदद मिल सकती है। पाददर्शी और नियमित समीक्षा सुनिश्चित करती है कि सुरक्षा प्रक्रिया पालन किया जा रहा है और किसी भी विचंगलित तुरंत समाधान किया जा सकता है। डिजिटल लॉक की भविष्य की विफलताओं को रोकने के लिए कठोर रखरखाव कार्यक्रम और बैकअप व्यवस्था लागू की जानी चाहिए, ताकि परीक्षा पुस्तिका बाँट को हाथों (भौतिक रूप से) से खोलना न पड़े अ प्रश्नपत्र वितरित करने में देरी न हो। रखरखाव नियमित जांच से यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि परीक्षा से पहले डिजिटल लॉक पूरी तरह कार्यात्मक हैं। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों के प्रवेश के तहत हाथों से खोलने के सुरक्षित तरीकों से जुड़ी आपातकालीन प्रक्रियाओं प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।



इस वजह से 12 साल में बदली जाती हैं भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा सभी भक्तों के लिए बहुत ही खास होती है जिसका पालन वे पूरे श्रद्धाभाव के साथ करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसका हिस्सा बनने से सभी दुखों का अंत होता है। साथ ही जीवन में शुभता आती है। इस बार इसकी शुरुआत 07 जुलाई 2024 को होगी तो चलिए इससे जुड़ी कुछ बातों को जानते हैं। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा हर साल धूमधाम के साथ निकाली जाती है। इस दिन का इंतजार भक्त बेसब्री के साथ पूरे साल करते हैं। रथ यात्रा का आरंभ आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि यानि 7 जुलाई से होगा, जिसमें भारी मात्रा में भक्तों का सैलाब शामिल होगा। कहा जाता है, जो लोग इस पवित्र यात्रा का हिस्सा बनते हैं, उन्हें मोक्ष की प्राप्ति है। इसके साथ ही काम, क्रोध और लोभ से छुटकारा मिलता है।

12 साल में बदली जाती हैं प्रतिमाएं

जगन्नाथ मंदिर को लेकर कई ऐसे रहस्य हैं, जो काफी चौकाने वाले हैं। इन्हीं में से एक यह भी है कि हर 12 साल में इस धाम की मूर्तियों को बदल दिया जाता है। दरअसल, इस अनुष्ठान को नवकलेवर के नाम से जाना जाता है। नवकलेवर का अर्थ है - नया शरीर। इस परंपरा के अंतर्गत जगन्नाथ मंदिर में स्थापित श्री जगन्नाथ, बालभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन की प्रतिमा को बदला जाता है, जिसके पीछे का यह कारण है कि ये प्रतिमाएं लकड़ी से बनाई जाती हैं और वे खंडित न हो इस वजह से उन्हें बदला जाता है।

क्या है नवकलेवर परंपरा

आपको बता दें, इस नवकलेवर परंपरा में मूर्तियां बदली जाती हैं। ऐसा कहा जाता है जब यह पवित्र अनुष्ठान शुरू होता है, उस दौरान पूरे शहर को लाइट को बंद करवा दिया जाता है, जिससे हर जगह अंधेरा हो जाए। यह परंपरा बहुत गुप्त होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस प्रक्रिया को करते समय किसी की नजर उसपर नहीं पड़नी चाहिए। इसलिए इसे बेहद गोपनीय रखा जाता है।

कैसे तैयार की जाती हैं मूर्तियां

भगवान जगन्नाथ, बालभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन जी की प्रतिमा को नौम की लकड़ी से बनाया जाता है। इसके लिए मंदिर के मुख्य पुजारी पेड़ों का चुनाव करते हैं। ऐसा माना जाता है कि वृक्ष नीम के और करीब 100 साल पुराने होने चाहिए। साथ ही उनमें किसी प्रकार का दोष नहीं होना चाहिए।



कब शुरू हो रही है जगन्नाथ यात्रा? तारीख, महत्व और पौराणिक कथा

हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का बड़ा धार्मिक महत्व है। यह यात्रा हर साल आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को निकलती है। यह यात्रा ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर से बड़े धूमधाम और भव्यता के साथ निकाली जाती है। यह मंदिर चार पवित्र धामों में से एक है। यह यात्रा कुल 10 दिनों की होती है और इसके बाद आषाढ़ शुक्ल पक्ष के 11वें दिन जगन्नाथ जी की वापसी के साथ इस यात्रा का समापन होता है। इस यात्रा में शामिल होने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। जगन्नाथ मंदिर पर श्रीहरि विष्णु के आठवें अवतार भगवान श्रीकृष्ण के साथ उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भी पूजा होती है। जगन्नाथ मंदिर में तीनों की मूर्तियां विराजमान हैं। इस रथ यात्रा की खास बात ये है कि इससे जुड़ी कई ऐसी रोचक बातें हैं जो बहुत कम लोगों को मालूम हैं, इसलिए आइए इस लेख विस्तार से जानते हैं।

कब शुरू हो रहा है जगन्नाथ यात्रा?

इस साल जगन्नाथ यात्रा की शुरुआत 07 जुलाई 2024 से 16 जुलाई 2024 तक होगी। इस बीच में 10 दिन की अवधि भगवान जगन्नाथ के भक्तों के लिए बेहद शुभ और मंगलकारी मानी जाती है। यही कारण है कि इस यात्रा में दूर-दूर से श्रद्धालु आकर शामिल होते हैं।

यात्रा में बारिश की मान्यता

जगन्नाथ जी की यात्रा का ये उत्सव आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष के दूसरे दिन शुरू होता है। मान्यताओं के अनुसार भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा के दिन बारिश जरूर होती है।

सोने के झाड़ू से सफाई

मान्यताओं के अनुसार जब से जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत हुई है तब से ही राजाओं के वंशज पारंपरिक रूप से रथ यात्रा के सामने झाड़ू लगाते हैं। इस झाड़ू की खास बात ये होती है कि ये कोई सामान्य झाड़ू नहीं होती है बल्कि ये एक सोने के हथ्ये वाली झाड़ू होती है। जिसे सोने के झाड़ू के नाम से भी जाना जाता है। इसके बाद मंत्र उच्चारण और जयघोष के साथ इस पवित्र रथ यात्रा की शुरुआत होती है। माना जाता है कि इस नियम का पालन करने से भक्तों के जीवन में सुख-समृद्धि, वैभव, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

100 यज्ञों के बराबर मिलता है पुण्य

जगन्नाथ रथ यात्रा को भक्तों में यह मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु इस शुभ रथ यात्रा में सम्मिलित होते हैं उन्हें 100 यज्ञों के बराबर पुण्य फल की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि इस रथ यात्रा में कि स्वयं भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों के मध्य विराजमान रहते हैं।

उड़ीसा के पुरी में होने वाला जगन्नाथ रथ यात्रा देश के साथ-साथ पूरी दुनियाभर में प्रसिद्ध है। जहां पर दुनियाभर के लोग उस अद्भुत नजारे को देखने के लिए पहुंचते हैं। बता दें हर साल आषाढ़ माह में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाती है। इस यात्रा में भगवान कृष्ण के साथ-साथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को भी विराजमान किया जाता है। बता दें कि इस साल जगन्नाथ रथयात्रा 7 जुलाई से आरंभ हो रही है, जो 16 जुलाई को समाप्त होगी। इस साल जगन्नाथ यात्रा पर काफी दुर्लभ संयोग सालों बाद बन रहा है। इस बार तिथियों की हेरफेर के कारण लगातार दो दिन रथ यात्रा होगी।

नारियल की लकड़ी का रथ

इस यात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, व सुभद्रा की रथ निकाली जाती है। इस रथ की खास बात ये होती है कि ये रथ नारियल की लकड़ी से बनाए जाते हैं। भगवान जगन्नाथ के रथ का रंग लाल और पीला रंग में रंगा होता है। इसके अलावा यह रथ बाकी रथों की तुलना में आकार में बड़ा होता है। इस यात्रा में भगवान जगन्नाथ का रथ सबसे आगे होता है उसके पीछे बालभद्र और सुभद्रा का रथ होता है।

खुद घूमने निकलते हैं भगवान

देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में यह इकलौता एक ऐसा त्योहार है जहां भगवान खुद घूमने निकल जाते हैं। जिनकी रथ यात्रा में भारी संख्या में लोग शामिल होते हैं। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ गर्भगृह से निकलकर अपनी प्रजा का हाल जानने निकलते हैं।



श्री राधा रानी ने जगन्नाथ मंदिर को दिया था यह श्राप

पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा बेहद उत्साह के साथ निकाली जाती है। इस यात्रा को गुंडिचा यात्रा और रथ महोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 2024 में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का प्रारंभ 07 जुलाई से हो रहा है। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में लोग जप-कीर्तन कर गुंडीचा नगर तक जाते हैं। जगन्नाथ पुरी मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा जी विराजमान हैं। हर वर्ष भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली जाती है। यह यात्रा में देश-विदेश में अधिक प्रसिद्ध है। इसमें अधिक संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ मंदिर में अविवाहित जोड़ों को नहीं जाना चाहिए। आइए जानते हैं इसके पीछे की वजह के बारे में।

ये है वजह

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार श्री राधा रानी ने जगन्नाथ मंदिर में दर्शन करने का विचार किया। जब वह मंदिर में प्रवेश कर रही थीं, तो उनको पुजारी ने रोक दिया। इसके बाद पुजारी से इसके बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि आप श्री कृष्ण की प्रेमिका हैं और विवाहिता भी नहीं हैं। इस वजह से भगवान श्री कृष्ण की पत्नियों को मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं मिली, तो आपको भी मंदिर में जाने की अनुमति नहीं है। इस वजह से राधा रानी पुजारी की इस बात से नाराज हो गईं। इसके बाद राधा रानी ने जगन्नाथ मंदिर को श्राप दिया कि यदि जीवन में कोई अविवाहित जोड़ा एक साथ मंदिर में प्रवेश करेगा, तो उसे कभी भी प्रेमी या प्रेमिका का प्यार नहीं मिलेगा।



भगवान विष्णु को कई नामों से पुकारा जाता है। गुरुवार का दिन भगवान विष्णु की स्तुति में विशेष दिन माना जाता है। माना जाता है कि अगर आपका भाग्य आपका साथ नहीं दे रहा है या आपके कार्य अधूरे ही रहते हैं, तो आपको भगवान विष्णु की स्तुति करनी चाहिए।

गुरुवार के दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु की आराधना करने से आपके अधूरे कार्य भी पूरे होते जाते हैं। आपने कई बार सुना होगा कि भगवान विष्णु को नारायण भी कहा जाता है। वहीं, कई पुराणों में जहां-जहां जगत के पालनहार का उल्लेख किया गया है, वहां भगवान विष्णु को नारायण नाम से भी सम्बोधित किया जाता है। आइए, जानते हैं भगवान विष्णु को नारायण क्यों कहा जाता है। भगवान विष्णु को नारायण क्यों कहा जाता है पद्म पुराण के अनुसार, भगवान विष्णु जल में निवास करते हैं, इसी कारण उनके विशेष भक्त

भगवान विष्णु को क्यों कहा जाता है नारायण

देवर्षि नारद उन्हें नारायण कहते थे। नारायण शब्द का अर्थ है जल जिसका प्रथम अयन हो। विष्णु पुराण के अनुसार भगवान विष्णु क्षीरसागर में रहते हैं, इसलिए उन्हें नारायण कहा जाता है। जल को संस्कृत में नीर कहा जाता है। नारायण शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है - नर यानी जल और अयन यानी स्थान। इस प्रकार, नारायण का अर्थ हुआ जल जिसका प्रथम अयन हो यानी क्षीरसागर हो, इस कारण से जल यानी क्षीरसागर में निवास करने के कारण भगवान विष्णु को नारायण कहा जाता है।

विष्णु नाम का अर्थ

विष्णु नाम का अर्थ है, जिस नर की आंखें कमल जैसी हो। इसके अलावा चतुर्भुजी और

कौस्तुभमणि से सुशोभित होने की वजह से श्रीहरि का नाम भगवान विष्णु पड़ा।

हरि नाम का अर्थ

भगवान विष्णु सृष्टि से पालनकर्ता हैं, जो संसार के सारे दुख भी हर लेते हैं, इसलिए उन्हें हरि नाम से भी सम्बोधित किया जाता है।

अच्युत नाम का अर्थ

भगवान विष्णु के इस नाम का अर्थ होता है, ऐसा दिव्य पुरुष जो अमर हो और जिसे नष्ट न किया जा सके।

पुरुषोत्तम नाम का अर्थ

भगवान विष्णु को पुरुषोत्तम भी कहा जाता है। पुरुषोत्तम नाम के अर्थ की बात करें, तो इसका अर्थ होता है पुरुषों में सबसे श्रेष्ठ।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर विधायक ने दे दिया इशारा वे चलेंगे अपनी चाल



बिलासपुर (समय दर्शन)। बिलासपुर शहर विधायक पूर्व मंत्री ने आज कोनी स्थित हेलीपैड पर यह दिखा दिया कि वे अलग चाल ही चलेंगे। भले ही अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधि विधायक ड्रेस कोड में आए थे पर अमर अग्रवाल के कुर्ते का कलर जमुनी था। यह पूरा वाक्य पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी के दिशांत समारोह कार्यक्रम का है। हेलीपैड पर महामहिम, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, केंद्रीय राज्य मंत्री, बिल्हा, तखतपुर, बेलतरा विधायक एक से वस्त्रों में थे पर बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल इस ड्रेस कोड से हटकर वस्त्रों में थे।

किरंदुल बैलाडीला ट्रक ओनर एसोसिएशन में हुआ चुनाव का ऐलान, 31 को आम चुनाव



दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा किरंदुल बैलाडीला ट्रक ओनर एसोसिएशन में शनिवार को आम सभा रखा गया जिसमें सर्व समिति से निर्णय लिया गया 31 जुलाई को चुनाव की तारीखों का ऐलान किया गया आपको बता दें यह आम चुनाव प्रतिवर्ष कराया जाता है पर इस बार 2 वर्षों के बाद चुनाव हो रहा है यह एक बड़ी संस्था है जिसमें हजारों लोगों रोजगार है इस संस्था से कई रोजगार पैदा होते हैं ट्रक मालिकों का सबसे बड़ा समूह है यह चुनाव प्रशासन की निगरानी में होगा चुनाव लड़ने के लिए कई पैनल बनाने में लग गए हैं अब देkhना होगा कि इस बार के चुनाव में कितने पैनल खड़े होते हैं

सचिव दिवस के अवसर पर प्रदेश स्तरीय भव्य सम्मान समारोह आज रायपुर में

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्रदेश पंचायत सचिव संघ का सम्मान समारोह बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम रायपुर में 7 जुलाई को दोपहर 1 बजे से आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वित्तमंत्री ओपी चौधरी, सांसद विजय बघेल सहित छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं विधायक हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए सचिव संघ के जीपीएम जिलाध्यक्ष किशन राठौर, महामंत्री पंचायत सचिव संघ छत्तीसगढ़ दिनेश शर्मा, सचिव संघ के पदाधिकारी शिवचरण साहू, उत्तरवती, दामोदर राठौर ने बताया कि सचिव की उत्पत्ति 12 सितंबर 1995 भोपाल से नियुक्ति हुई थी। प्रति वर्ष 7 जुलाई को प्रदेश के सभी जिला, ब्लॉक मुख्यालय में सचिवों द्वारा स्थापना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 7 जुलाई को सचिव दिवस की अवसर पर प्रदेश स्तरीय भव्य सम्मान समारोह बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम रायपुर में रखा गया है। सचिव दिवस पर इस वर्ष संयुक्त रूप से पूरे 10685 सचिव भव्य सम्मान समारोह इंडोर स्टेडियम रायपुर में सम्मिलित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि सचिवों द्वारा जितना कार्य सेवा भावना के साथ किया जाता है, उसके बदले शासन से सभी सुविधाएं नहीं मिल पाती, जिसके वे वास्तव में हकदार हैं। पंचायत सचिव का एक सूत्रीय लंबित मांग इश्दो वर्ष परीक्षिका अवधि पश्चात शासकीयकरण का है। उपेंद्र पैकार प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश पंचायत सचिव संघ छग द्वारा जानकारी देते बताया कि सर्वप्रथम 7 जुलाई 2007 को मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, प्रदेश पंचायत सचिव संगठन का सम्मेलन जांजगीर चांपा में उपस्थित होकर पंचायत कर्मों से ग्राम पंचायत सचिव चेतनमान गेड पे का निर्धारण हेतु घोषणा किया गया था। इससे पहले पंचायत कर्मी हुआ करते थे, तब से लेकर आज तक पंचायत सचिव प्रतिवर्ष 7 जुलाई को सचिव दिवस के रूप में मनाया जाता है। सचिव दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह को सफल बनाने के लिए जीपीएम जिला सहित पूरे प्रदेश के सचिव 7 जुलाई को रायपुर के कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है।

प्रादेशिकी

गंजपारा से नगर निगम ने हटाया वर्षो पुराना कब्जा :जर्जर भवन को जेसीबी से किया धराशाही

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत गंजपारा नाका चौक सत्तीचौरा गंजपारा के पास निगम आयुक्त लोकेश चन्दाकर के निर्देश के बाद भवन अधिकारी गिरीश दीवान के मार्गदर्शन में नगर निगम ने करीब 30 से 40 वर्ष पुराने एवं जर्जर हो चुके अवैध कब्जा को धराशायी किया।कारवाही के मौके पर नायाब तहसीलदार ढाल सिंग विसैन,भवन निरीक्षक विनोद मांझड़ी,अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित दुर्ग धाना पुलिस व अतिक्रमण टीम की मौजूदगी



में कारवाही को अंजाम दिया गया है।आपको बता दे कि श्यामलाल पांडे नामक व्यक्ति द्वारा नगर निगम की लाखों रुपए की जमीन पर कब्जा कर रखा गया था, उनके वारिसान की याचिका व्यवहार न्यायालय ने खारिज कर दी जिसके बाद निगम अमले ने अवैध कब्जा हटाय़ा।कोर्ट में नगर निगम की ओर से भवन अधिकारी गिरीश दिवान ने नगर निगम का पक्ष मजबूती से रखा तथा इस मामले की पैरवी करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कौशल किशोर सिंह ने नगर निगम दुर्ग के पक्ष

में फैसला दिलवाया।मालूम हो कि उक्त जगह को नगर पालिका परिषद द्वारा चुंगी कर के लिए श्यामलाल पांडे के जीवन काल में किराए पर दिया गया था। निगम ने एमआईसी में किराएदारी समाप्त कर दिया था। जिससे श्यामलाल पांडे के वारिसान नगर निगम के खिलाफ कोर्ट गए थे। श्यामलाल पांडे के वारिसान की याचिका व्यवहार न्यायालय दुर्ग ने खारिज कर दी है। जिसके बाद निगम द्वारा कब्जा हटाने की कार्यवाही की गई।

अखरा के भगवान जगन्नाथ मंदिर मनवा कुर्मी समाज की धरोहर

प्रथम पृष्ठ का शेष

जिसमें तत्कालीन विधायक भूपेश बघेल जी मुख्य अतिथि के रूप में मंदिर परिसर के मंच पर आसीन रहे।ट्रस्ट द्वारा पारित संकल्प के अनुसार एक अच्छा भव्य एवं आकर्षक मंदिर उसका परकोटा और शेष भाग में धर्मशाला एवम सामाजिक कार्यस्थल का रूपरेखा बनाया गया उस समय ट्रस्ट में खेती के रेगहा से प्राप्त आय और स्वजतियो से प्राप्त दान ही आय का मुख्य आधार था,जिसमें मंदिर का कुछ निर्माण कार्य किया जाता था। मंदिर जीर्णोद्धार के नाम से तत्कालीन विधायक माननीय श्री भूपेश बघेल जी के विशेष प्रयास से माननीय श्री दिग्विजयसिंह तत्कालीन मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन से 50000.00(पचास हजार) रुपये की राशि स्वीकृत की गई। उसके पश्चात वर्ष 2010-11 में तत्कालीन विधायक श्री विजय बघेल जी, संसदीय सचिव (छ. ग. शासन) के द्वारा मंदिर निर्माण एवं विस्तारीकरण कार्य के लिए लगभग 18 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई। इसी तरह लगातार क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का भरपूर सहयोग मिलता रहा। भगवान जगन्नाथ मंदिर के मानचित्र के अनुसार परिकल्पना को पूर्ण करने में वर्षों लग गये। निर्माण कार्य को गति देने के लिए ट्रस्ट के द्वारा सतत प्रक्रिया चलती रही। भगवान जगन्नाथ मंदिर निर्माण कार्य पूरी उड़ीसा के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार अनुभवी एवं कुशल कारीगर राणा के द्वारा मंदिर का निर्माण कराया गया। मंदिर की अनुकृति पूरी के जगन्नाथ की तरह ही है, मंदिर का निर्माण आठ फुट ऊँचे, तीस फुट चौड़े व सत्तर फुट लंबे चतुर्भुज पर बनाया गया है, सीढ़ियों के निर्माण ऐसे ढंग से किया गया है कि बूढ़े और बच्चे भी आसानी से चढ़ सके। सामने सिंह द्वार के लिए आधार निर्मित किया गया है। और गरुड स्तम्भ भी लगाया गया है, वास्तुकला की दृष्टि से मंदिर का निर्माण किया गया है। मंदिर के गर्भगृह को बहुत ही आकर्षक बनाया गया है, गर्भगृह के मुख्य दरवाजे (पट)को अखरा निवासी डॉ. लोकेश्वर वर्मा जी के द्वारा दान में दिया गया है। गर्भगृह से लगा हुआ बायां ओर भगवान के लिए भोग कक्ष का निर्माण पति स्व. दाऊ श्री नरहर सिंह बंछोर एवं सुपुत्र स्व.डॉ. शेफाम बंछोर की स्मृति में श्रीमती सुमित्रा देवी बंछोर ग्राम-सेलूद द्वारा समर्पित किया गया है। मंदिर की डिजाइन एवं इसकी बाहरी भित्तियां चतुष्पलक होने के साथ ही शिखर के शिरे पर जाकर लहसुनिया आकृति के कलश में बदल गया है। नीचे देवी देवता के बेल-बूटे अलंकृत है। मंदिर परिसर में लक्ष्मी माता

मंदिर निर्माण श्री सियाराम वर्मा एवं माता केवरा बाई के आशीर्वाद से पुत्र वेदनारायण वर्मा खर्ग (पाटन) और स्व.श्री द्वारिका राम कश्यप एवं स्व.प्रमोद कश्यप की प्रेरणा से भगवान शिव जी की विशाल मूर्ति निर्माण की स्थापना ग्राम-अखरा निवासी श्रीमती सुभद्रा कश्यप एवं सुपुत्र विनोद कश्यप, अरुण कश्यप के द्वारा किया गया है। महाप्रभु भगवान जगन्नाथ, भैया बलराम और बहन सुभद्रा जी की काष्ठ से निर्मित मूर्ति को माननीय विजय बघेल जी के द्वारा पूरी उड़ीसा से लाया गया। उसके पश्चात फ़ाल्गुन शुक्ल पक्ष तृतीया दिनांक-03-03-2014 को विधि विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ प्राणप्रतिष्ठा किया गया, जिससे मंदिर जय जय जगन्नाथ के जयकारों से गुंज उठा।और पाटन अंचल के दूर-दूर से लोग इस पुण्य कार्य में सहभागी एवं साक्षी बनें। पहले मंदिर की पूजा वैष्णव ब्रम्हचारी के द्वारा कराया जाता था अब स्वजातीय बंधु श्री बलदाऊ वर्मा के द्वारा नित्य प्रातः एवं सायंकाल की पूजा अर्चना की जाती है। पूर्व राजप्रधान स्व.श्री केशव राम वर्मा जी,रवेली वाले की स्मृति में उनके परिवार जनों के विशेष अग्रह पर रथयात्रा में प्रतिवर्ष (भोग प्रसाद) हेतु 7500/- रुपये की राशि ट्रस्ट को दान देने का संकल्प लिया जो आज पर्यन्त तक अनवरत जारी है।अखरा का यह जगन्नाथ मंदिर हमारे पूर्वजों की ऐसी धरोहर होगी जो युगों युगों तक हमारे समाज को प्रेरित करती रहेगी वहीं भगवान के आशीर्वाद से समाज के लोगो में चारित्रिक तथा आध्यात्मिक जागरण का संचार होगा। समाज के दानवीरों की कृपा अनुग्रह से भगवान जगन्नाथ जी का घर पूर्णरूपेण सज धज कर तैयार हो गया है। सौगातों की इस विशेष कड़ी में हमारे अखरा निवासी श्री भूपेन्द्र कश्यप जी (अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन)का मैं बहुत बहुत आभारी हूं। जिसके विशेष अग्रह से मंदिर विस्तारीकरण हेतु 113.61(एक करोड तेरह लाख इकसठ हजार) रुपये राशि माननीय श्री भूपेश बघेल जी, मुख्यमंत्री छ. ग.शासन के द्वारा मंदिर परिसर में शेड निर्माण, भव्य सामुदायिक भवन एवं भोजनशाला के निर्माण हेतु राशि स्विकृत की गई है।जिसका निर्माण कार्य लगभग पूर्णतः की ओर है। इस बड़ी सौगात के लिए मैं भगवान जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट की ओर से पुनः माननीय श्री भूपेश बघेल जी, (मुख्यमंत्री छ. ग.शासन) एवं श्री भूपेन्द्र कश्यप जी (अध्यक्ष नगर पंचायत)पाटन को बहुत बहुत साधुवाद संप्रिषित करता हूं। पाटन राज मनवा कुर्मी समाज के प्रेरक संकल्प एवं स्तुत्य दान के लिए हम सदा आभारी रहेंगे। आगे भविष्य भी आप सभी

श्रद्धालुओं,भक्तजनों और महामना दानदाताओं का स्नेह एवं प्यार ट्रस्ट को मिलता रहेगा। भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी आप सबकी मनोकामना पूर्ण करें। अंत मे मंदिर ट्रस्ट के सचिव केदार कश्यप,अखरा के द्वारा मंदिर के प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर भगवान जगन्नाथ जी के इस ऐतिहासिक इतिहास की गाथा को संकलन करने का भरसक प्रयास किया गया है। फिर भी जाने अनजाने में किसी प्रकार की त्रुटि के लिए क्षमा प्रार्थी हूं।

इन्हें भावनाओं के साथ यह प्रथम पुण्य महाप्रभु भगवान जगन्नाथ जी के श्रीचरणों में सादर समर्पित....

भगवान जगन्नाथ जी की रथ इस वर्ष नए कलेवर में.....

रथयात्रा का विशेष महत्त्व है- जो व्यक्ति भगवान के नाम का कीर्तन करता हुआ रथयात्रा में शामिल होता है। उसकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती है। भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा में भाग लेने मात्र से ही संतान संबंधी समस्याएं दूर हो जाती है। वे लोग तो परम सौभाग्यशाली हैं,जिन्हें भगवान जगन्नाथ जी की सेवा का पुण्य प्राप्त होता है। इस वर्ष आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि 07 जुलाई 2024 रविवार को मंदिर ट्रस्ट एवं छ. ग.म.कुर्मी समाज पाटन राज के संयुक्त तत्वावधान में काफी हर्षोल्लास के साथ युवा एवं महिला कार्यकर्ताओं के द्वारा मनाया जा रहा है। प्रातः 10 बजे मंदिर परिसर में सत्यनारायण पूजा का कार्यक्रम सम्पन्न होगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय विजय बघेल जी,सांसद दुर्ग लोकसभा अध्यक्षता -माननीय अमरचंद वर्मा जी, मुख्य न्यासी मंदिर ट्रस्ट विशेष अतिथि के रूप में माननीय भूपेन्द्र कश्यप जी,अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन एवं माननीय युगल किशोर आडिल जी, राजप्रधान पाटन राज विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। एवम अतिथियों के द्वारा छेरा पहरा का कार्यक्रम सम्पन्न होगा।इस वर्ष भगवान जगन्नाथ नए कलेवर के साथ नए रथ पर विराजमान होंगे। रथ को फूलों से सजाया गया है, साथ ही युवा साथियो के द्वारा भव्य आतिशबाजी के साथ पुराना बाजार चौक में राजप्रधान पाटन राज युगल किशोर आडिल की अगुवाई में महाप्रसादी भोग की व्यवस्था की गई हैं। *अतःआप समस्त नगरवासियों से निवेदन है कि महाप्रभु भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा में शामिल होकर पुण्य का लाभ लेकर अपने को कृतार्थ करे।

संपूर्णता अभियान से विकास के संकेतकों को पूरा किया जाएगा - कलेक्टर मलिक

पिथौरा विकासखण्ड के ग्राम गोड़बहाल में आकांक्षी विकासखंड अंतर्गत संपूर्णता अभियान का शुभारंभ

नीति आयोग के प्रतिनिधि सहित जिला पंचायत अध्यक्ष, सीईओ, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण भी शामिल हुए

लिया सहभागिता की शपथ

महासमुंद, (समय दर्शन)। केन्द्र तथा राज्य शासन की प्राथमिकता वाली आकांक्षी विकासखण्ड के तहत आज पिथौरा विकासखण्ड के ग्राम गोड़बहाल में संपूर्णता अभियान का शुभारंभ किया गया। कलेक्टर प्रभात मलिक, नीति आयोग के कंसलटेंट कनिष्क जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उषा पटेल, सीईओ एस आलोक सहित सभी अतिथियों ने कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ महतारी की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के शुभारंभ से पहले स्कूली विद्यार्थियों द्वारा ग्राम में जागरूकता रैली निकाला गया। जिले के जनप्रतिनिधि, ग्रामीण, महिला व स्कूली बच्चे रैली में शामिल होकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस दौरान आकांक्षी विकासखंड के तहत संपूर्णता अभियान की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी एलईडी के माध्यम से नागरिकों को दी गई। इस अवसर पर तीन महिला समूहों को रिवॉल्विंग फंड 15-15 हजार रुपए प्रदान किया गया। महिला विकास विभाग द्वारा गोद भराई का कार्यक्रम भी सम्पन्न किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उषा पटेल ने कहा कि आकांक्षी विकासखंड होने के नाते यहां सम्पूर्ण विकास की झलक दिखाई देती है। ग्राम गोड़बहाल ही नहीं पूरे विकासखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, महिला समूह आदि के सशक्तिकरण से जिला विकास की नई ऊंचाइयां छूएंगी। नीति आयोग द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने हम सबको सामूहिक प्रयास करना होगा। उन्होंने जिला प्रशासन को बधाई देते हुए कहा कि इस दिशा में शुरुआत भी हो चुकी है और तीन सूचकांकों



को हमने हासिल कर लिया है जो बड़ी उपलब्धि है।

कलेक्टर श्री प्रभात मलिक ने कहा कि आकांक्षी विकासखंड के तहत स्वास्थ्य विभाग, कृषि, महिला एवं बाल विकास विभाग और एनआरएमएल के कार्यक्रम और योजनाओं के क्रियान्वयन को फोकस कर पूरा किया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न विभागों के संचालित 40 योजनाओं के क्रियान्वयन को भी प्राथमिकता में रखा गया है। उन्होंने कहा कि संपूर्णता अभियान का उद्देश्य गांवों में समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। मेरा गांव, मेरा विकासखंड मानकर पूर्ण स्वामित्व के साथ योजना को सफल बनाने कार्य करेंगे। इसमें शासकीय अमला के साथ इस ब्लॉक के जनप्रतिनिधि व नागरिकों की भी सहभागिता जरूरी है, तभी हम आकांक्षी विकासखंड को विकास के उच्चतम स्तर पर पहुंचा पाएंगे।

कार्यक्रम में नीति आयोग के कंसलटेंट कनिष्क जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में आकांक्षी विकासखंड के तहत 500 आकांक्षी विकासखंड का चयन किया है। इसमें महासमुंद जिले के पिथौरा विकासखण्ड को आकांक्षी विकासखण्ड के रूप में चयन किया गया है। आज यहां से इस योजना

का शुभारंभ किया गया है। जिसका उद्देश्य आकांक्षी विकासखंड को विकास के उच्चतम स्तर तक पहुंचाना है। इन क्षेत्रों में शासन की सभी योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित करना है। उन्होंने बताया कि यह अभियान तीन महीने यानि 30 सितम्बर तक चलाया जाएगा। इसमें केन्द्र सरकार द्वारा तीन विषयों में 6 प्रमुख संकेतकों को शामिल किया गया है। उन्होंने अभी तक किए गए कार्यों की सराहना की और कहा कि बाकि लक्ष्यों को समय-सीमा के पूर्व ही प्राप्त कर लिया जाएगा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में मधुमेह और रक्तचाप की जांच भी कराई।

जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक ने बताया कि इस ग्राम में पहले ही तीन संकेतकों को प्राप्त कर लिया गया है। इसमें टीबी मुक्त ग्राम, 0 से 6 वर्ष के सभी बच्चों का आधार कार्ड और ड्राइप आउट बच्चों को शाला प्रवेश आदि शामिल है। ग्राम गोड़बहाल में सरपंच सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की सहभागिता से एक अलग पहचान बनाई है। नीति आयोग द्वारा निर्धारित विकास के मापदंडों को हासिल करने की दिशा में हम अग्रसर हैं और हमारी कोशिश रहेगी की 45 दिनों में यह लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभागों को तीन संकेतांकों की उपलब्धि पर अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया।

उल्लेखनीय है की नीति आयोग द्वारा 6 निर्धारित लक्ष्यों पर संकेतांक निर्धारित किए गए हैं, जिसमें गर्भवती महिलाओं का समय पर प्रसव पूर्व देखभाल, पूरक पोषण आहार, हर व्यक्ति की मधुमेह और रक्तचाप की जांच, महिला समूह को रिवॉल्विंग फंड उपलब्ध हो और स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो, सभी बच्चों का टीकाकरण हो और किसानों से बचे क्योंकि स्वास्थ्य कार्ड बने। इस अवसर पर कलेक्टर प्रभात मलिक सहित नीति आयोग के कंसलटेंट ने शाला परिसर में गुलमोहर का पौधा रोपण किया। संपूर्णता अभियान में उपस्थित गणमान्य नागरिक, स्कूली बच्चों सहित जनप्रतिनिधियों को संपूर्णता अभियान को सफल बनाने के लिए सहभागिता निभाने और अभियान को सफल बनाने की शपथ दिलाई।

स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को किया गया जागरूक- संपूर्णता अभियान कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, महिला बाल विकास, कृषि और ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही विशेषज्ञों द्वारा ग्रामीणों को इन योजनाओं का लाभ कैसे उठाना जाए, इसके बारे में मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। लोगों ने इन स्टॉल्स पर जाकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और अपने सवालों के जवाब भी पाए।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत गोड़बहाल के सरपंच सदराम पटेल, एसडीएम पिथौरा हरिशंकर पैकार, जनपद सीईओ फकीरचंद पटेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला बाल विकास विभाग के जिला अधिकारी सहित आकांक्षी विकासखंड फेलो वैभवो मोयल, पीरामल फउंडेशन के महेंद्र आर्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीण, महिला समूह और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

खबर-खास

भिलाई टाउनशिप में प्रत्येक रविवार को मनाया जायेगा ‘कम्युनिटी ड्राइ-डे’

भिलाई (समय दर्शन)। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग द्वारा डेंगू तथा मच्छरों से होने वाली अन्य खतरनाक बीमारियों से बचाव हेतु नागरिकों के सहयोग से प्रत्येक रविवार को कम्युनिटी ड्राइ-डे मनाने का निर्णय लिया गया है। मच्छरजनित रोगों से बचाव हेतु अनेक आयामों पर प्रयास करना होगा, जिसके लिए भिलाई टाउनशिप के रहवासियों को व्यक्तिगत रूप से भी सहयोग करना आवश्यक है। भिलाई इस्पात संयंत्र के जन स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग ने इस्पात नगरी के नागरिकों से समग्र रूप से भागीदारी करने की अपील की है कि ताकि डेंगू, मलेरिया, टाइफ़ाइड एवं अन्य मच्छरजनित रोगों से लड़ा जा सके। नगर सेवाएँ विभाग द्वारा भिलाई टाउनशिपवासियों से प्रत्येक रविवार को कूलर एवं पानी के सभी पात्र खाली कर कुछ देर के लिए उन्हें सुखाने, मवेशियों एवं पालतू जानवरों के पात्रों को उलट देने, टूटे-फूटे बर्तन, टायर एवं बाहर पड़े कबाड़ का एक बार अवलोकन कर, यदि उनमें कहीं पानी एकत्रित होता दिखे तो उसे तुरन्त खाली कर देने या उसकी निकासी के लिए व्यवस्था कर देने का आग्रह किया गया है। साथ ही जहाँ कहीं भी पानी खाली करना सम्भव न हो, वहाँ पानी में तेल की कुछ बूंदें डालकर कम्युनिटी ड्राइ-डे को सफल बनाने की अपील की गई। यदि कोई क्षेत्र मच्छरों से संक्रमित हुआ तो वह संक्रमण तेजी से अन्य क्षेत्रों में फैल सकता है। अतः सभी टाउनशिप रहवासीगण प्रत्येक रविवार को 'कम्युनिटी ड्राइ-डे' मनाने के इस पहल में भागीदारी दें तथा अपने मित्रों एवं पारिवारिक सदस्यों तक भी यह सन्देश पहुंचाएं।

यूनिवर्सल रेल मिल में हादसा, कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं

भिलाई (समय दर्शन)। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल में 06 जुलाई, 2024 को ए शिफ्ट के दौरान रेल का उत्पादन करते समय, स्टैपिंग मशीन के पास रोलर टेबल से रेल का एक टुकड़ा खिसक गया। हादसे के मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने स्थिति पर काबू पाया। इस हादसे में कोई भी हताहत नहीं हुआ। यूआरएम में स्टैपिंग मशीन और उसका हाइड्रोलिक सिस्टम में आंशिक क्षति हुई है, जिसे जल्द ही ठीक कर लिया जाएगा। शाम 4.00 बजे तक उत्पादन फिर से शुरू होने की संभावना है।

सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी का संलग्नीकरण नियम के अनुकूल - जिला शिक्षा अधिकारी

गरियाबंद (समय दर्शन)। संलग्नीकरण समाप्ति जैसे आदेशों का पालन नहीं किये जाने संबंधी प्राप्त शिकायत के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी श्री ए.के. सारस्वत ने बताया कि सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्री कृपाल सिंह पैकरा मूलरूप से वि.ख.-देवभोग में पदस्थ हैं। डीईओ कार्यालय के आदेश के तहत वर्तमान में डीईओ कार्यालय में कार्यरत है। इनका पद मूल रूप से प्रशासनिक है। डीईओ श्री सारस्वत ने बताया कि शासन द्वारा जारी संलग्नीकरण समाप्ति आदेश लागू नहीं होता है। कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी गरियाबंद में सहायक संचालक का पद स्वीकृत नहीं होने एवं इस पद पर किसी की पदस्थापना नहीं होने के कारण कार्य की अधिकता है। चूँकि श्री पैकरा कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी के अधीन कार्यालय वि.ख. शिक्षा अधिकारी देवभोग में पदस्थ हैं। अतः कार्य की अधिकता को देखते हुए, इन्हे डीईओ कार्यालय में संलग्न किया गया है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) अंतर्गत आवेदन आमंत्रित

कवर्धा (समय दर्शन)। स्वयं का रोजगार स्थापित करने में सहायक केंद्र प्रवर्तित योजना प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कबीरधाम को वित्तीय वर्ष 2024-25 अंतर्गत 42 हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक श्री डीएल पुसाम ने बताया कि योजनातर्गत बैंको के माध्यम से विनिर्माण क्षेत्र में अधिकतम 50 लाख रूपए तथा सेवा क्षेत्र में अधिकतम 20 लाख रूपए का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने बताया कि योजना के अनुसार सामान्य श्रेणी के हितग्राहियों को शहरी क्षेत्र के लिए 15 एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए 25 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग, महिला, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, निःशक्तजन, भूतपूर्व सैनिक को शहरी क्षेत्र के लिए 25 एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए 35 प्रतिशत अनुदान की पात्रता है। योजना अंतर्गत विभिन्न प्रकार के उद्योग एवं सेवा श्रेणी यथा गुड़ निर्माण, प्लाई एस ब्रिक्स निर्माण, फेब्रिकेशन, हालर आटा चक्की, स्टैरिंग कार्य, फनीचर, च्वाईस सेंटर, फेटो काफी, टेन्ट हाउस, टेलरिंग, मोटर सायकल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक दुकान एवं रिपेयरिंग, सेलून आदि के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। महाप्रबंधक श्री पुसाम ने बताया कि बताया कि योजनातर्गत आवेदन प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक दस्तावेज पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, अंकसूची, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, स्थायी जाति प्रमाण पत्र (लागू होने पर), जनसंख्या प्रमाण पत्र एवं अन्य सहपत्र यथा निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, बैंक पासबुक, आईटीआर, बीमा पॉलिसी आदि है। स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए इच्छुक एवं पात्र हितग्राही वेबसाईट ूअपबवदसपदम.हवअ.पद/चउमहचवदसपदम.हवअ.पद पर आनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

उल्टी-दस्त प्रभावित गांव गोपालभवना पहुंचा प्रशासनिक और स्वास्थ्य अमला

गांव में सार्वजनिक जल स्त्रोंतों के पास की सफाई और क्लोरिनेशन व जल रिसाव की समस्या को दूर किया जा रहा

कवर्धा (समय दर्शन)। विकासखण्ड कवर्धा के ग्राम गोपाल भवना में उल्टी-दस्त के तीन दिनों में 27 मरीज मिले। पहले दिन 3 जुलाई को 12 और दूसरे दिन 15 मरीज मिले। अब तक दस्त के 20 मरीज और उल्टी-दस्त के 7 मरीज मिले हैं। उल्टी दस्त के मरीज की सूचना मिलते ही कलेक्टर के निर्देश पर स्वास्थ्य और प्रशासनिक अमला तुरंत गांव पहुंच गया और सामुदायिक भवन को अस्थाई अस्पताल बना दिया गया। यहां चिकित्सक और स्वास्थ्य अमलों द्वारा लगातार स्वास्थ्य उपचार किया जा रहा है।

सभी स्वास्थ्य उपचार के बाद लगातार स्वास्थ्य में सुधार आ रहा हैं। एक मरीज को जिला अस्साल में भर्ती कराया गया है। उनका भी स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है। कलेक्टर जनमेजय महोबे के निर्देश पर अपर कलेक्टर निर्भय साहू, कवर्धा एसडीएम अनुपम टोणो, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बीएल राज सहित पंचायत एवं ग्राम विकास और लोकस्वास्थ्य



यांत्रिकीय विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से उल्टी-दस्त से प्रभावित ग्राम गोपाल भवना का निरीक्षण

संपूर्णता अभियान के तहत रेंगाखार में लगा आकांक्षी शिविर

शिविर में 310 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया

कवर्धा (समय दर्शन)। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने स्वामी विवेकानंद स्कूल रेंगाखार में आकांक्षी विकासखंड शिविर कार्यक्रम में डायरिया से संबंधित स्वास्थ्य संवर्धन खेल सांप-सीढ़ी का विमोचन किया। स्वास्थ्य संवर्धन खेल सांप-सीढ़ी खेल के माध्यम से बच्चे डायरिया से संबंधित जानकारी और बचाव के तरीके जाना।

शिविर में कुल 310 मरीजों की जांच की गई, जिसमें 55 गर्भवती माताओं की जांच, 65 व्यक्तियों की रक्तचाप की जांच, 65 व्यक्तियों की मधुमेह जांच, 82 व्यक्तियों की सिकल की जांच की गई। जिसमें 02 एस तथा एसएस मरीज मिले, 82 व्यक्तियों की मलेरिया की जांच की गई। कलेक्टर श्री महोबे ने बताया कि गहन डायरिया नियंत्रण पखवाडा 01 जुलाई 2024 से 31 अगस्त 2024 तक चलाया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में डायरिया से होने वाली मृत्यु को रोकना है।



यदि किसी भी व्यक्ति में डायरिया के कोई भी लक्षण हो तो तुरंत मितानिन, आंगनबाडी कार्यकर्ता अथवा ए.एन.एम से संपर्क करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एल. राज के मार्गदर्शन में चिन्हांकित डायरिया प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाया जा रहा है। इस अभियान के संबंध में उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि समस्त मितानिनों एवं आंगनबाडी कार्यकर्ताओं एवं स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर-घर सर्वे कर हाथ धोने की विधि, जीवन रक्षक घोल बनाने, ओ.आर.एस.

एवं जिक की महत्ता, दस्त होने पर माँ के दूध पिलाने की आवश्यकता तथा शीच के लिए शौचालय के उपयोग के बारे में बताया जा रहा है। जलजनित बिमारियों को ध्यान में रखते हुए कुएं, जलस्त्रोंतों की साफ-सफाई एवं संक्रमण रोकने के लिए क्लोरीन टेबलेट वितरित किया जा रहा है। जिले के समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों में ओ.आर.एस. जिक कार्नर की स्थापना की गई है। इस अभियान में आमजनों को बच्चों में होने वाले डायरिया की रोकथाम के उपायों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

सर्पदंश की स्थिति में बैगा-गुनिया के पास झाड़-फूंक कराने के बजाय अस्पताल पहुंचे

गरियाबंद। बरसात का मौसम शुरू होते ही वातावरण में नमी और उमस बढ़ने के कारण जमीन में रेंगने वाले जहरीले कीट, सांप, बिच्छु अपने बिलों, रहवासां से बाहर आ जाते है, और लोगों को काटने का खतरा बढ़ जाता है। वर्षा का पानी उनके बिलों में भर जाने तथा अपने भोजन की तलाश में ये बाहर आते है तथा सुरक्षित स्थान की तलाश में अक्सर लोगों की घरों में घुस जाते है जिससे सर्पदंश की घटनाएँ बढ़ जाती है। जिला स्वास्थ्य विभाग ने जनहित में सूचना जारी करते हुए कहा है कि सांप-बिच्छु या जहरीले कीड़े-मकोड़े के काटने पर पीड़ित का तत्काल उपचार कराने से उसकी जान बचाई जा सकती है। गरियाबंद जिले के सभी प्राथमिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों व जिला

अस्पताल में सर्पदंश व जहरीले कीड़ों के काटने का उपचार उपलब्ध है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गार्गी यदु पॉल ने विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा है कि सर्पदंश होने पर या जहरीले कीट के काटने पर एक से डेढ घंटे के भीतर पीडित को सही उपचार न मिलने से उसकी मृत्यु भी हो सकती है, इसलिए पीड़ित को शीघ्रताशीघ्र निकट के स्वास्थ्य केन्द्र में ईलाज के लिये लेकर आना चाहिए। कभी भी बैगा-गुनिया या झाड़-फूंक के चक्रम में नहीं पडना चाहिए। यद्यपि सभी सर्प जहरीले नहीं होते लेकिन सर्पदंश होने पर पीडित को घबराहट होती है, जो ऐसी स्थिति में जानलेवा हो सकती है। सर्पदंश के उपचार हेतु एंटीसेक वेनम का

पर्याप्त डोज़ जिला अस्पताल सहित सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध है। अतः बिना देर किये नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में पहुँचकर उपचार कराना चाहिए। सर्पदंश पीडित को सही समय में ईलाज मिलने से उसकी जान बचाई जा सकती है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग अक्सर जमीन पर सोते है और खेतों जंगलो में काम करने जाते है, जिससे उनकी सर्पदंश होने की संभावना बढ़ जाती है। अतः सोते समय चारपाई और केमिकल युक्त मच्छरदानी का उपयोग करने, घरों के आसपास सफाई रखने और अंधेरे स्थानों में जाने के लिये टार्च का उपयोग करने तथा खेतों में काम करने के दौरान घुटने तक वाले जुते पहनने की सलाह दी गई है।

//कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्टहार//
प्र.क्र. 202406100600089/- अ-2 वर्ष 2023-24
एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका ललित चक्रवर्ती पिता/पति हेमलाल चक्रवर्ती निवासी वार्ड नं. 16 बनेरा धमारी तहसील व जिला धमारी (छ.ग.), के द्वारा ग्राम पंढर, प.ह.न. 32, तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 338/7 रकबा 0.0400 है., अर्थात् 3766 वर्गफीट भूमि पर आवासीय प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.ग. सहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।
अतः जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से निमत दिनांक 12/07/2024 न्यायालय में उपस्थित होकर आपति पेश कर सकते है। निमत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 27/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

//कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्टहार//
प्र.क्र. 202406100600090/- अ-2 वर्ष 2023-24
एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रविन्द्र वर्मा पिता/पति नरोत्तम सिंह वर्मा निवासी-बुध चौक के पास राम नगर रायपुर (छ.ग.), के द्वारा ग्राम पंढर, प.ह.न. 32, तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 338/6 रकबा 0.0200 है., अर्थात् 1986 वर्गफीट भूमि पर व्यवसायिक प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.ग. सहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।
अतः जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से निमत दिनांक 12/07/2024 न्यायालय में उपस्थित होकर आपति पेश कर सकते है। निमत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 27/06/2024 को अनुविभागीय को को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

//आम सूचना//
(खसरा नंबर 5942/2 रकबा 0.0093 हेक्टेअर 997.5 वर्गफीट के संबंध में)

एतद् द्वारा यह सर्वविवरित हो कि मौजा ग्राम कोहका, प.ह.न. 45, रा.नि.मं. कोहका, तहसील-दुर्ग जिला-दुर्ग (छ.ग.) में स्थित भूमि/ मकान जो कि भू स्वामी दीपक कुमार वर्मा ओ. ज्वाला प्रसाद वर्मा एवं सुनीता वर्मा पति ज्वाला प्रसाद वर्मा के नाम में है जिसका खसरा नंबर 5942/2 रकबा 0.0093 हेक्टेअर 997.5 वर्गफीट है। जिसकी सीमा उत्तर- 20 फीट रोड, दक्षिण-मंजु देवी का जमीन, पूर्व- एम. पुण्यवती का जमीन प्लॉट नं. 36, पश्चिम- 15 फीट रोड है। विक्रय पत्र विक्रेतागण श्रीमती के. कल्याणी पति के. जगदीश, श्रीमती एम पुण्यवती पति एम अप्पायव निवासी सुपेला, भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा विक्रय पत्र दिनांक 22/11/2023 को अपने नाम से करा लिया गया है, तथा कांतिज है छ.ग. राज्य ग्रामीण बैंक शाखा कुदरद तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

अतः उक्त संयंत्रदार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति संस्था, बैंक, बीमा, निवेश संस्था, शास्त्रिकी, अर्थशास्त्रीय संस्था को किसी भी प्रकार से दावा आपति हो तो मय लिखित दस्तावेजों के साथ मेरे नीचे लिखे पते पर 07 दिवस के भीतर कर सकते है। उक्त समयावधि के पश्चात की गई आपति सूच्य एवं अमान्य माने जावेगी। छ.ग. राज्य ग्रामीण बैंक शाखा कुदरद तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

सौ सूचना जानें
स्थान - दुर्ग (छ.ग.)
दिनांक 06/07/2024

भवदीय
छ.ग. राज्य ग्रामीण बैंक
शाखा कुदरद तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

//कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्टहार//
प्र.क्र. 202406100600091/- अ-2 वर्ष 2023-24
एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुनिल कुमार चंद्रकार पिता/पति देवनाथपण निवासी ग्राम लोहरसी तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.), के द्वारा ग्राम पंढर, प.ह.न. 32, तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 338/4 रकबा 0.0200 है., अर्थात् 1973 वर्गफीट भूमि पर व्यवसायिक प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.ग. सहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।
अतः जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से निमत दिनांक 12/07/2024 न्यायालय में उपस्थित होकर आपति पेश कर सकते है। निमत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 27/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया।
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्टहार//
प्र.क्र. 202406100600092/- अ-2 वर्ष 2023-24
एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुनिल कुमार चंद्रकार पिता/पति देवनाथपण चंद्रकार निवासी ग्राम लोहरसी तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.), के द्वारा ग्राम पंढर, प.ह.न. 32, तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 338/4 रकबा 0.0200 है., अर्थात् 1973 वर्गफीट भूमि पर व्यवसायिक प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.ग. सहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।
अतः जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से निमत दिनांक 12/07/2024 न्यायालय में उपस्थित होकर आपति पेश कर सकते है। निमत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 27/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया।
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

//कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्टहार//
प्र.क्र. 202406100600093/- अ-2 वर्ष 2023-24
एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुनिल कुमार चंद्रकार पिता/पति देवनाथपण चंद्रकार निवासी ग्राम लोहरसी तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.), के द्वारा ग्राम पंढर, प.ह.न. 32, तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 338/4 रकबा 0.0200 है., अर्थात् 1973 वर्गफीट भूमि पर व्यवसायिक प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.ग. सहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।
अतः जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से निमत दिनांक 12/07/2024 न्यायालय में उपस्थित होकर आपति पेश कर सकते है। निमत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 27/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया जावेगा।
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

//कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)//

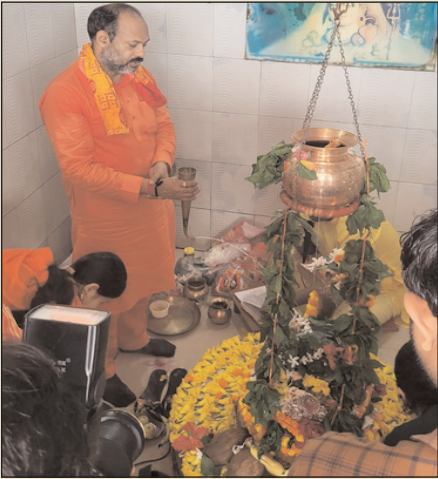
//ईश्टहार//
प्र.क्र. 202406100600094/- अ-2 वर्ष 2023-24
एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुनिल कुमार चंद्रकार पिता/पति देवनाथपण चंद्रकार निवासी ग्राम लोहरसी तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.), के द्वारा ग्राम पंढर, प.ह.न. 32, तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 338/4 रकबा 0.0200 है., अर्थात् 1973 वर्गफीट भूमि पर व्यवसायिक प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.ग. सहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।
अतः जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से निमत दिनांक 12/07/2024 न्यायालय में उपस्थित होकर आपति पेश कर सकते है। निमत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 27/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया जावेगा।
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

//कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भिलाई 3, जिला दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्टहार//
रा.प्र.क्र. 202406104300054 / अ-2/ वर्ष 2024 ग्राम- जांमपुर, प.ह.नं 01, तहसील भिलाई 03
अंतर्गत ग्राम तरीघाट के वर्तमान भूमिस्वामी उदय सिंह पिता/पति-होरीलाल पता-सोदेह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 292 (0.1700) में प्रस्तावित भूमि स्वामी/ क्रेता सुलेचना सिन्हा पिता/पति मोरखन सिन्हा पता- तरीघाट के नाम पर पंजीवन/फीती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरुस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 22/07/2024 को समय सुबह 11 बजे न्यायालय तहसीलदार पाटन पर की जाएगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था की कोई दावा आपति हो तो इशतहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व था सुनवाई के समय अपना दावा आपति स्वयं / अधिवक्ता/ आम मुखावर्तार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत पदवा आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह इशतहार मेरे हस्ताक्षर पदमुद्रा से आज दिनांक 28/06/2024 को जारी किया जाता है।
तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

14 जुलाई को होगी बोल बम समिति पाटन क्षेत्र की बैठक, 12 अगस्त 2024 को पाटन से निकलेगी भव्य बोल बम कांवर यात्रा



दुर्ग (समय दर्शन)। बोल बम कांवर यात्रा समिति पाटन क्षेत्र के कोर ग्रुप के बैठक में बोल बम कांवर यात्रा के संयोजक जीतेंद्र वर्मा के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में कांवर यात्रा की तिथि और आगामी कार्ययोजना को लेकर कार्यक्रम तय की गई। इस वर्ष कांवर यात्रा का आयोजन 12 अगस्त 2024 को किया जाएगा। कांवर यात्रा के संयोजक जितेंद्र वर्मा ने बताया कि इस वर्ष सर्वसम्मति से विभिन्न योजना बनाया गया है, कार्यक्रम को और भव्य बनाने के लिए तैयारी को लेकर आगामी बैठक 14 जुलाई 2024 दिन रविवार को दोपहर 12 बजे आयोजित स्कूल पाटन में रखा गया है। बैठक में बोल बम कांवर यात्रा पाटन क्षेत्र के पदाधिकारी, सदस्य व सैकड़ों शिवभक्त शामिल होंगे। बैठक में कांवर यात्रा को भव्य रूप देने व सफल आयोजन के लिए सभी से सुझाव प्राप्त कर रुपरेखा बनाई जाएगी। विगत वर्ष कांवर यात्रा में पहुंचे श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए इस बार भी व्यापक तैयारी की योजना बन रही है।

विद्यालय परिसर भनसूली(के) में किया गया वृक्षारोपण



पाटन (समय दर्शन)। शास.उच्च.माध्यमिक एवं पूर्व मा.विद्यालय भनसूली(के)में आज दिनांक 6जुलाई 2024 शनिवार को युवा एवं इको क्लब शास.उच्च.मा.वि.भनसूली (के) वि.खं.पाटन जि.-दुर्ग (छ.ग.)के द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक साहू उपाध्यक्ष जिपं दुर्ग,सरपंच श्रीमती तुलसी डहरिया,गैदलाल डहरिया पूर्व जनपद सदस्य पाटन,कृष्ण कुमार साहू,पूरण साहू,नीलमणी साहू (पूर्व सरपंच),डा तामेश्वर साहू,कमलेश साहू,नेतराम साहू,दानीराम तारक,महेन्द्र हिरवानी,महेश साहू संस्था के प्रभारी प्राचार्य धर्मेन्द्र कुमार सिन्हा,सुरेश कुमार खिलारी, रज्जू कुमार डहरिया,भवानी शंकर यादव,नागेश्वरी पीयूष,रामेश्वरी नेताम,नीतादेवी पाण्डेय,के. शरुजा,बिनीता नागपुरे व्याखतागण तथा शास.पूर्व मा.वि.के प्रभारी प्रधान पाठक रियंजना देवानन एवं शिक्षकगण धर्मेन्द्र कुमार साहू,लक्ष्मीकांत तिवारी,छत्रू लाल केवट,हरिशंकर देवानन जी के पावन उपस्थिति में वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

केसरा के छात्र का नवोदय में हुआ चयन, शिक्षक ने प्रोत्साहन राशि भेंट की



पाटन (समय दर्शन)। विकास खंड पाटन के शासकीय नवीन प्राथमिक शाला केसरा के छात्र कुशल सिन्हा पिता टेकराम सिन्हा का जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2024 में चयन हुआ है। विद्यार्थी ने इसका श्रेय अपने माता-पिता और विद्यालय परिवार को दिया है। छात्र के इस उपलब्धि पर शिक्षक नारायण प्रसाद साहू, अनकेश्वर प्रसाद महिपाल, हेमंत कुमार सेन ने कुशल सिन्हा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय के शिक्षक अनकेश्वर प्रसाद महिपाल द्वारा बच्चों को प्रेरित करने के लिए एक हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान किया गया।

मिडिल स्कूल अरेकेल में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया धूमधाम से

■ सरस्वती कम्यूटर्स के संचालक मुकेश यादव द्वारा सभी बच्चों को लपेट श्यामपट्ट किया गया प्रदान

बसना(समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अरेकेल बसना में प्रभारी प्रधान पाठक हीराधर साव एवं शिक्षक प्रेमचन्द साव द्वारा बच्चों को गणवेश,पुस्तकें बाँटकर एवं तिलक लगाकर धूमधाम से शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया इस अवसर पर अरेकेल गाँव का कर्मठ,सहृदयी,सरस्वती कम्यूटर्स के संचालक छालो यादव एवं मुकेश यादव द्वारा विद्यालय में आयोजित होने वाली



विभिन्न गतिविधियों की तारीफ करते हुए सभी बच्चों को लपेट श्यामपट्ट,व्हाइट बोर्ड सहित नोटिस बोर्ड प्रदान किया गया है। सभी छात्र-छात्राएँ लपेट श्यामपट्ट पाकर

काफी प्रसन्न हुए।विद्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में प्रकाश डालते हुए विज्ञान शिक्षक व बाल कैबिनेट प्रभारी प्रेमचन्द साव ने कहा कि मनुष्य के जीवन में जितना महत्व भोजन,कपड़े,हवा और पानी का है,उससे कहीं अधिक महत्व शिक्षा का है।शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे मनुष्य में ज्ञान का प्रसार,बुद्धि का विकास,सुसंस्कृत सभ्य एवं योग्य नागरिक,जन्मजात शक्तियों का विकास,सामाजिक गुण,ज्ञान कौशल में वृद्धि,जीवन की चुनौतियों का कुशलता से सामना शिक्षा अर्जित करने से ही होता है।शिक्षा मानव जीवन की एक महत्वपूर्ण

इकाई है।शिक्षा नहीं हो तो मनुष्य के जीवन की कल्पना भी मुश्किल है।शिक्षा शारीरिक व्यक्तित्व और मानसिक शक्ति के साथ साथ हमारी जीवन शैली को बेहतर बनाती है।शिक्षक हीराधर साव ने कहा कि शिक्षा आधुनिक समय में हर किसी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जो मनुष्य के अंदर अच्छे विचारों को भरती है।इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि थानसिंह जगत,पूर्व सरपंच शिवप्रसाद डडुसेना, अशोक भोई,शिक्षक राजकुमार निषाद,पालक गण, ग्रामीण आदि उपस्थित रहे।शिक्षकों द्वारा संदेशप्रद, प्रेरणादायक कहानी सुनाकर शिक्षा के महत्व को बताया गया।

भानुप्रतापपुर अस्पताल की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मिले कोमल हुपेण्डी

- कहा-पूर्व की कांग्रेस सरकार की उपेक्षा के कारण विशेषज्ञ चिकित्सकों व आधुनिक उपकरणों का रहा अभाव
- विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना व आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था के लिए किया आग्रह
- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अस्पताल की समस्याओं का जल्द निराकरण का दिया आश्वासन

भानुप्रतापपुर (समय दर्शन)। भानुप्रतापपुर क्षेत्र के सबसे बड़े सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में बीमार लोग इलाज के लिए पहुंचते हैं लेकिन विशेषज्ञ चिकित्सकों व आधुनिक उपकरणों की कमी के कारण अंचल के लोगों को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। भाजपा नेता कोमल हुपेण्डी ने मुख्यमंत्री से चर्चा में बताया कि पूर्व में कांग्रेस सरकार की उपेक्षा के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाओं व गम्भीर



बीमारियों से ग्रसित मरीजों को सुविधा के अभाव में रिफर कर दिया जाता है। स्त्री रोग एवं शिशु रोग विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं होने के कारण महिलाओं को मजबूरन अन्य निजी अस्पतालों में जाने विवश होना पड़ता है, जिससे गरीब महिलाएं इलाज के आभाव में गंभीर रोगों का सामना कर रही है। समस्याओं से अवगत कराते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री महोदय से अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों जल्द से जल्द की पदस्थापना व आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था का आग्रह किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हर सम्भव मदद करने व अस्पताल की समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया है। भाजपा नेता कोमल हुपेण्डी एवम भाजयुमो नेता डिकेश साहू ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशीलता के लिए उनका आभार प्रकट किया।

पानी का बचाव हमारे और आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण - कलेक्टर सुश्री चौधरी

- ग्राम पंचायत हसदा में आयोजित हुआ जल मड़ई कार्यक्रम
- जिले में जल मड़ई सप्ताह 05 से 13 जुलाई तक

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण के लिए जिले में 05 से 13 जुलाई तक जल मड़ई सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज धमधा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत हसदा के शासकीय प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक शाला में कलेक्टर सुश्री ऋक्षा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में जल मड़ई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जल मड़ई के अंतर्गत पौधरोपण के साथ ही जल संरक्षण के प्रति जनसामान्य में जागरूकता लाने के लिए कार्य किया जा रहा है। जल है तो कल है, क्योंकि पानी के बिना पृथ्वी पर किसी का भी जीवन रहना असंभव है। पानी व्यक्ति के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि इसके बिना कई गतिविधियाँ पूरी नहीं की जा सकती। फिर भी व्यक्ति इसे



बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ता है। जल हम बना नहीं सकते, लेकिन बचा तो सकते हैं। जल और वृक्ष जीवन का अमूल्य आधार है। जल संरक्षण का भविष्य सिर्फ हमारे हाथों में-नीरज जल मड़ई कार्यक्रम में महिलाएँ एवं स्कूल के नन्हे-मुन्हे बच्चों ने बड़-चढ़ कर हिस्सा लिया। जल प्रहरी नीरज वानखेड़े द्वारा जल संरक्षण की दिशा में जल को सहेजने हेतु सोकपीट रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम आदि को मॉडल का उपयोग कर एवं खेल के जरिए बताया कि जल संरक्षण का भविष्य सिर्फ हमारे हाथों में ही है। वीडियो के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने कहा कि जल मड़ई का उद्देश्य पानी की बर्बादी को कम करना और उसके कुशल उपयोग को बढ़ावा देना है। जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है, ऐसे में हमें पानी का जरूरत अनुसार उपयोग करना चाहिए। पानी का पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग से हम पानी को बचत कर सकते हैं। घरेलू उपयोग के बाद बचे हुए पानी को बागवानी या अन्य कार्यों में पुनः उपयोग किया जा सकता है। सामुदायिक स्तर का अभियान है, लोगों को

जागरूक होना होगा और जल संरक्षण के महत्व को समझना होगा। हमें यह समझना होगा कि पानी का बचाव हमारे और आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बारिश के पानी को जमा करने का एक तरीका होता है, यह किसी भी सतह पर गिरने वाला बारिश का पानी हो सकता है। इस पानी को बाद में फिल्टर किया जाता है और फिर इस्तेमाल करने के लिए जमा कर दिया जाता है। इस तरह पानी की हार्वेस्टिंग करने से पानी का लेवल दोबारा पहले जैसा नॉर्मल हो जाता है, जिससे यह पानी बर्बाद होने से बच जाता है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने शासकीय प्राथ./पूर्व माध्यमिक शाला हसदा के प्रांगण में पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए आम का पौधा लगाया एवं बच्चों को इसकी देखभाल करने को कहा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अश्वनी देवांगन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा यादव, एसडीएम धमधा सोनल डेविड, जनपद सदस्य जितेन्द्र साहू उपस्थित थे।

शिक्षा में पाटन का गौरवशाली इतिहास रहा है -सांसद विजय बघेल

पाटन (समय दर्शन)। विकास खंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन शुरुवार को स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जामगाँव(एम) में विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप महिलांगे के संयोजन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल थे। अध्यक्षता हर्षा लोकमणी चंद्राकर जिला पंचायत सदस्य,विशिष्ट अतिथि रामबाई सिन्हा अध्यक्ष जनपद पाटन, जितेन्द्र वर्मा भाजपा जिला अध्यक्ष दुर्ग,अरविंद मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग लोकमणी चंद्राकर भाजपा मंडल अध्यक्ष उत्तर पाटन, लालेश्वर साहू भाजपा मंडल अध्यक्ष दक्षिण पाटन, खेमलाल साहू भाजपा मंडल अध्यक्ष मध्य पाटन, राकेश चंद्राकर

सरपंच ग्राम पंचायत जामगाँव-एम सहित अन्य थे। विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा नवप्रवेशी छात्रों का स्वागत तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर,निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें और गणवेश देक किया गया। कक्षा 9 में प्रवेशित छात्रों को सरस्वती सायकल योजना अन्तर्गत निःशुल्क सायकल प्रदान किया गया। इस मौके पर सफाई कर्मचारियों, 10वीं एवं 12 वीं के प्रवीण सूची में स्थान बनाने वाले छात्र-छात्राओं का, खेल में राष्ट्रीय स्तर प्रतिनिधित्व करने वालों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा पवित्र मन से, पवित्र भाव से बच्चों के पवित्र शाला प्रवेश उत्सव में शामिल होकर



बच्चों को गुरुजनों के हर लक्ष्य की प्राप्ति हो। शिक्षा में पाटन का गौरवशाली इतिहास रहा है हर व्यक्ति साक्षर रहे यह जीवन की आवश्यकता है। सब चाहते हैं कि उनके बच्चे साक्षर बने। श्री बघेल ने कहा बेटी जब शिक्षित होते हैं तब दो परिवार को शिक्षित करती है। आज 95 प्रतिशत स्कूलों में बेटियों की संख्या अधिक है। बेटियाँ आज हर मुकाम में आगे हैं। जो माता पिता अपने बच्चों को पढ़ा नहीं पाते उसमे आप अपनी भागदारी निभा कर एक बच्चों को शिक्षित करने में योगदान दें। शिक्षकों के मेहनत, पालकों के योगदान से अब

सरकारी स्कूलों में भी प्रविण्य सूची में स्थान पा रहे हैं। शिक्षा के व्यवसाई करन से बचना होगा। पीएम श्री योजना स्कूलों में प्राथम हो चुकी है। इस योजना के माध्यम से शिक्षक एवम बच्चों के समस्या को निदान करने में हम सफल हो जाएंगे। उन्होंने बच्चों से कहा कि आप डाक्टर, इंजीनियर,नेता,शिक्षक बनकर कितने भी ऊँचाई में पहुंच जाओ लेकिन अच्छा ईसान जरूर बनना।

जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने कहा पहले बच्चे स्कूल जाने से घराते थे लेकिन आज बच्चे स्कूल जाने को उत्सुक रहते हैं बच्चों की इस उत्सुकता को बनाए रखने की जवाबदारी पालक,शिक्षक और हम सबकी है। जिला पंचायत सदस्य हर्षा

चंद्राकर ने कहा आप सब जीवन के पहले पड़ाव शिक्षा के क्षेत्र में आते हैं इसलिए स्वागत और अभिनंदन का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। पढ़ाई नैकरी के उद्देश्य से ना कर स्वरोजगार और दूसरों को रोजगार। शिक्षा अनमोल है इसे जितना बाँटेंगे उतना ही बढ़ता है। जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने कहा हमें समाज से जितना मिला है उससे ज्यादा हमें आने वाली पीढ़ी को देना है। स्वागत भाषण देते हुए बीईओ प्रदीप महिलांगे ने विकासखंड पाटन के शैक्षणिक गतिविधियों से अतिथियों को अवगत करवाया। प्राचार्य आर के वर्मा ने मुख्यमंत्री के संदेश का वक्तव्य किया। मंच संचालन मोहित शर्मा ने आधार प्रदर्शन खिलावन चोपडिया ने किया।

थाना बसना के तीन प्रकरण में चोरी हुए 03 नग मोटर सायकल के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार



बढ़ते अपराध पर लगाम लगाने मे शासन प्रशासन की मुस्तेदी के आगे आखिरकार चोर पुलिस के गिरफ्त में

बसना(समय दर्शन)। बूजराम भास्कर ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसका मोटर सायकल हिरा एचएफ डिलक्स क्र0 सीजी-06,जीटी-1769 को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के सामने से किसी अज्ञात चोर द्वार चोरी का ले गया है तथा (03) प्रार्थी धनेश्वर बंजारा ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसका मोटर सायकल हिरा ,एचएफ डिलक्स क्र0 सीजी-06, जीयू- 9402 को प्रार्थी के बहन दामाद कमलेश

बंजारा के घर बाहर परछी में ग्राम गेराभांठा से किसी अज्ञात चोर द्वार चोरी का ले गया है। प्रार्थीयो के रिपोर्ट पर थाना बसना में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। थाना बसना क्षेत्र में 01 व्यक्ति थाना बसना क्षेत्र में पुरानी इस्तेमाली मोटर सायकल की बिक्री हेतु ग्राहक की तलाश कर रहा था कि, 1769 को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के सामने से किसी अज्ञात चोर द्वार चोरी का ले गया है तथा (03) प्रार्थी धनेश्वर बंजारा ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसका मोटर सायकल हिरा ,एचएफ डिलक्स क्र0 सीजी-06, जीयू- 9402 को प्रार्थी के बहन दामाद कमलेश चोरी करना बताया।

भारतीय न्याय संहिता के प्रभावी होते ही एसडीएम तहसीलदार ने किया थाने का निरीक्षण



बसना(समय दर्शन)। भारतीय न्याय संहिता के प्रभावी होते ही बसना अनुभागीय अधिकारी रविजार ठाकुर और तहसीलदार कृष्ण कुमार साहू ने बसना थाना का किया निरीक्षण लिया काम का जायजा। क्षेत्र मे काम काज को लेकर बसना विकासखंड तहसीलदार कृष्ण कुमार साहू काफी मुस्तेदी के साथ कार्यों की जांच परख कर काम कर रहे हैं। विभाग से संबंधित सभी कामों को सरलता के साथ कर आम जनमानस के लिए अधिकारी और जनता के रिस्ते को मजबूत कर रहे हैं, जिससे जनता बेझिझक अपनी बात अपने अधिकारियों से कर समस्या का निवारण करा सके। एसडीएम और तहसीलदार ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना का रोजनामचा नियमित रूप से संधारित करने के निर्देश देते हुए नए कानून भारतीय न्याय संहिता के विषय में चर्चा किया। जिसमें भारत सरकार ने तीन नये कानून लागू किए जिसके अंतर्गत भारतीय न्याय संहिता, जिसमे आईपीसी का स्थान लिया है, पहले की 511 धाराओं के स्थान पर अब 356 धाराएं हैं। आईपीसी की 175 धाराओं में बदलाव किया गया है, आठ नई धाराएं जोड़ी गई हैं और 22 धाराओं को निरस्त किया गया है।